श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 191, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | रविवार 07 अगस्त 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

किसान पुत्र चुने गए 14वें उपराष्ट्रपति

जगदीप धनखड़ चुने गए नए उप-राष्ट्रपति, एनडीए उम्मीदवार ने दर्ज की बड़ी जीत, मिले 528 वोट, मार्गरेट अल्वा को 346 वोटों से हराया; पीएम मोदी ने मिलकर बधाई दी

नई दिल्ली: जगदीप धनखड़ देश के 14वें उपराष्ट्रपति होंगे। शनिवार को उपराष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव में उन्होंने विपक्ष की उम्मीदवार मार्ग्रेट अल्वा को हरा दिया। चुनाव में कुल 725 सदस्यों ने वोट किया। इनमें से धनखड़ को 528 वोट मिले, जबकि विपक्ष की उम्मीदवार मार्ग्रेट अल्वा को 182 वोट मिले। 15 वोट अमान्य कर दिए गए। जगदीप धनखड़ 11 अगस्त को उपराष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडू का कार्यकाल 10 अगस्त को खत्म हो रहा है। इधर, पीएम मोदी ने दिल्ली में धनखड़ से मुलाकात कर जीत की बधाई दी। मार्ग्रेट अल्वा ने भी धनखड़ को जीत पर बधाई दी। साथ ही ट्वीट कर कई विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा- दुर्भाग्य से, कुछ विपक्षी दलों ने एकजुट विपक्ष को पटरी से उतारने की कोशिश में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तौर पर बीजेपी का समर्थन किया। उन्होंने अपनी विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाया है।

पिछले 6 उपराष्ट्रपति चुनावों में सबसे बड़ी जीत: चुनाव के रिटर्निंग अफसर उत्पल सिंह ने बताया कि कुल 780 वोटर्स में से 725 (92.94%) ने वोट किया। जीत के लिए 356 वोटों की जरूरत थी। कुल वैलिड वोट में से धनखड़ को 74.36% वोट मिले। 1997 के बाद से हुए पिछले 6 उपराष्ट्रपति चुनावों में उन्होंने सबसे अधिक अंतर से जीत हासिल की है। पिछले उपराष्ट्रपति चुनाव में एम वेंकैया नायडू को करीब 68% वोट मिले थे। धनखड़ ने इस चुनाव में वेंकैया नायडू को पीछे छोड़ दिया है। शनिवार

सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चुनाव में 55 सांसदों ने वोट नहीं डाला।

ममता के सांसदों ने पार्टी का फैसला नहीं माना

ममता ने अपने 36 सांसदों को वोटिंग से दूर रहने की बात कही थी, लेकिन टीएमसी सांसद शिशिर अधिकारी और दिव्येंदु अधिकारी ने ममता के फैसले के खिलाफ वोट किया। आंकड़ों के हिसाब से एनडीए कैंडिडेट धनखड़ की जीत के लिए बीजेपी के ही वोट काफी है। बीजेपी के दोनों सदनों में 394 सांसद हैं, यह बहुमत के आंकड़े 356 से ज्यादा हैं। सपा और शिवसेना के 2, जबकि बसपा के एक सांसद ने वोट नहीं किया। वही, भाजपा सांसद सनी देओल और संजय धोत्रे ने वोट नहीं किया।

780 का निर्वाचन मंडल, 725 सांसदों ने हिस्सा लिया

अभी लोकसभा में 543 सांसद हैं, जबकि राज्यसभा में 245 में से 8 सीटें खाली हैं। यानी निर्वाचन मंडल 788 के बजाय 780 सांसदों का था। ममता की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव से दूर रहने का फैसला किया था। राज्यसभा और लोकसभा के सांसदों को मिलाकर टीएमसी के 36 सांसद हैं। एनडीए की बात करें तो 441 सांसद हैं, 5 मनोनीत सांसदों का भी साथ मिला । इस तरह से धनखड़ के पक्ष में पहले से ही 446 वोट थे। एनडीए के सांसदों के अलावा धनखड़ को बीजद, वाईएसआरसी, बीएसपी, अकाली दल और शिंदे गुट का भी समर्थन मिला। इनके 81 सांसद हैं।

भारत की विमेंस क्रिकेट टीम ने रचा इतिहास

बर्मिंघम: भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने कॉमनवेल्थ गेम्स में इतिहास रच दिया है। भारत ने सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को 4 रन से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। कॉमनवेल्थ गेम्स में पहली बार विमेंस क्रिकेट को शामिल किया गया और भारतीय टीम ने पहले ही अटैम्प्ट में फाइनल में जगह बना ली है। टीम इंडिया ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 160 रन बनाए। स्मृति मंधाना ने 32 गेंदों पर 61 रन की पारी खेली। जेमाइमा रोड्रिगेज ने 31 गेंदों पर 44 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर

160 रन ही बना सकी। कप्तान नैट शिवर ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। भारत की ओर से स्नेह राणा ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

पहले विकेट के लिए तूफानी साझेदारी: मंधाना और शेफाली ने भारतीय टीम को तेज शुरूआत दी। दोनों ने पहले विकेट की साझेदारी में 7.5 ओवर में 76 रन जोड़े। फ्रेया कैंप ने शेफाली का विकेट लिया।

आरसीपी परिवार ने 9 साल में खरीदे 58 प्लॉट

आरसीपी सिंह के ऊपर जदयू का शिकंजा

पटना: जदयू ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रहे आरसीपी सिंह के खिलाफ बाकायदा कार्रवाई को कमोबेश मुकाम तक पहुंचा दिया है। कार्रवाई का आधार उनकी और उनके घर वालों की हाल की संपत्ति है। दिलचस्प यह है कि इस संपत्ति का ब्योरा जदयू के ही नेताओं ने जुटाया है। इसके अनुसार, आरसीपी और उनके घर वालों ने 2013 से अब तक नालंदा जिले के सिर्फ दो प्रखंड अस्थावां और इस्लामपुर में करीब 40 बीघा जमीन खरीदी है। कई और जिलों में भी उनकी संपत्ति होने की बात भी कही

गई है। पार्टी ने इसे भ्रष्टाचार के मोर्चे पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के जीरो टॉलरेंस की नीति के खिलाफ माना है। अपने ही पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के खिलाफ जांच करने और उनसे भ्रष्टाचार संबंधी सवाल-जवाब करने वाली जदयू हालिया वर्षों में संभवतः देश की पहली पार्टी है।

चुनावी हलफनामे में भी जिक्र नहीं: जदयू सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने आरसीपी को पत्र भी लिखा है। इसमें बताया गया है कि नालंदा जिले में जदयू के दो साथियों की सबूत के साथ शिकायत मिली है।

इसमें बताया गया है कि अब तक उपलब्ध जानकारी के अनुसार आपके और आपके परिवार के नाम से साल 2013 से 2022 तक अकूत संपत्ति रजिस्टर्ड कराई गई है। इसमें कई प्रकार की अनियमितता दिखाई देती हैं। ... आप लंबे समय तक दल के सर्वमान्य नेता नीतीश कुमार के साथ अधिकारी और राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में काम करते रहे हैं।

करनाल-कुरुक्षेत्र में मिले विस्फोटक एक जैसे

चंडीगढ़: कुरुक्षेत्र के शाहाबाद में जीटी रोड पर पेड़ के नीचे मिले विस्फोटक को लेकर हरियाणा पुलिस की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। कुछ माह पहले करनाल और अब कुरुक्षेत्र में मिला विस्फोटक एक जैसा है। हरियाणा एसआई के एसपी सुमित कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि पाकिस्तान में बैठे कुख्यात गैंगस्टर आतंकी हरविंदर रिंदा ने ही यह विस्फोटक भेजा है। वहीं रिंदा के इस टेरर मॉड्यूल में पंजाब पुलिस के 2 पूर्व पुलिस कर्मचारियों के बेटे भी शामिल निकले। इनमें सब इंस्पेक्टर को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। इस मामले में आतंकी कनेक्शन के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) भी सक्रिय हो गई है। फिलहाल हरियाणा एसआईटी इसकी जांच कर रही है, लेकिन एनआईए भी पकड़े गए शमशेर शेरा से पूछताछ कर रही है।

शमशेर के 2 और साथी गिरफ्तार, एक की तलाश: हरियाणा एसआईटी ने इस केस में 1.3 किलो आरडीएक्स रखने वाले शमशेर सिंह उर्फ शेरा के 2 साथियों रोबिनप्रीत सिंह और बलजीत सिंह को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच के मुताबिक रोबिन विस्फोटक रखने शमशेर के साथ आया था। उसके साथ 2 लोग और आए थे। वहीं सीमा पार से ड्रोन के जरिए आने वाले नशे को वह कंबो दाईवाला के रहने वाले बलजीत सिंह के पास रखते थे।

देश में अब शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना भी गैरकानूनी : राहुल गांधी

नई दिल्ली: कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि भाजपा शासनकाल में शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना भी गैरकानूनी हो चुका है। गुरुवार को कांग्रेस नेताओं पर हुए एफआईआर के मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मौजूदा सरकार ने प्रदर्शन करने और अपनी राय रखने के अधिकार को गैरकानूनी घोषित कर रखा है।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के राजधानी दिल्ली में शुक्रवार को महंगाई, बेरोजगारी, जीएसटी और अग्निपथ योजना के खिलाफ संसद से लेकर राष्ट्रपति भवन तक विरोध प्रदर्शन को लेकर दिल्ली पुलिस ने

नई दिल्ली जिले के तुगलक रोड थाने में दो एफआईआर दर्ज की गई है। यह एफआईआर कांग्रेस के नेताओं एवं कार्यकताओं के खिलाफ दर्ज हुई है। इसमें नेताओं पर सरकारी काम में बाधा पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। दिल्ली पुलिस द्वारा कांग्रेस पार्टी के सांसद राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी सहित कई नेताओं और प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया था। फिलहाल दिनभर परेशान होने के बाद दिल्ली पुलिस ने इन घटनाओं को लेकर दो एफआईआर दर्ज की है। तुगलक रोड थाने में यह दोनों एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिसमें कुछ नेताओं और कार्यकताओं को आरोपित बनाया गया है। पुलिस का कहना है कि इस मामले की छानबीन के लिए सभी वीडियो फुटेज को खंगाला जा रहा है। उसी के आधार पर आरोपियों की पहचान की जाएगी और उनके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

तिरंगा मुहिम के विरोध में सिमरनजीत मान

चंडीगढ़: संगरूर से सांसद सिमरनजीत सिंह मान को केंद्र सरकार की तिरंगा मुहिम रास नहीं आई। सांसद मान ने लोगों से अपील की कि अपने घरों और कारोबारी संस्थानों पर केसरी झंडा लगाएं। इस पर पंजाब के सीएम भगवंत मान ने सांसद पर तंज कसा। सीएम ने कहा कि संविधान की कसम खाने वालों को तिरंगे से दिक्कत क्यों है?। वहीं अब इसको लेकर बवाल मचना शुरू हो गया है। इससे पहले सांसद सिमरनजीत मान शहीद भगत सिंह को आतंकवादी कह चुके हैं। जिसका भी सीएम भगवंत मान ने कड़ा विरोध किया था।

मान बोले- तानाशाही हुक्म को नहीं मानेंगे: सांसद सिमरनजीत मान ने कहा कि केजरीवाल अपने स्टूडेंट्स से कट्टरवादी सोच के तहत तिरंगे झंडे की बात करते हैं। इन तानाशाही हुक्मों को सिख विद्यार्थी कैसे मंजूर करेंगे। मान ने कहा कि केसरी झंडा लगाकर अपनी आजाद हस्ती को कायम रखना चाहिए।

2 साल में 40% काम पूरा, 5 अगस्त 2020 को पीएम मोदी ने किया था भूमिपूजन

2024 में भक्तों के लिए खुल जाएगा राम मंदिर

अयोध्या: अयोध्या में रामजन्मभूमि के शिलान्यास को दो साल पूरे हो गए हैं। 5 अगस्त 2020 को पीएम नरेंद्र मोदी ने मंदिर निर्माण के लिए भूमिपूजन कर आधारशिला रखी थी। वहीं अब देशभर के श्रद्धालुओं के लिए एक और अच्छी खबर सामने आई है। यहां काम करने वाले इंजीनियरों का कहना है कि मंदिर निर्माण का 40% काम पूरा हो गया है। 2024 तक मंदिर की पहली मंजिल तैयार हो जाएगी। 2024 की मकर संक्राति तक मंदिर का पूरा स्वरूप दिख सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने 9 नवंबर 2019 को राम मंदिर निर्माण के पक्ष में ऐतिहासिक फैसला सुनाया था। राम मंदिर के निर्माण के लिए लोग 12-14 घंटे काम कर रहे हैं। ये समय देश की

राजनीतिक हालातों के लिहाज से भी अहम हैं क्योंकि 2024 में लोकसभा चुनाव होने हैं।

दिसंबर 2023 तक बन जाएगा मंदिर का ग्राउंड फ्लोर: ट्रस्ट के चीफ इंजीनियर जगदीश कुमार ने बताया कि मंदिर का सुपर स्ट्रक्चर बनना शुरू हो गया। नींव और चबूतरा पहले से बनकर तैयार हैं। मंदिर के गर्भगृह पर खंभे लगना 1-2 दिन में शुरू हो जाएंगे। मंदिर का ग्राउंड फ्लोर दिसंबर 2023 तक बनकर तैयार होना है। भक्तों को मंदिर के पूरे स्वरूप के दर्शन फरवरी 2024 यानी मकर संक्राति तक हो सकेंगे। इस दौरान श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, विहिप के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शरद शर्मा रंग महल बैरियर पर खुद मौजूद रहे। चंपत राय ने बताया कि इस समय मंदिर के गर्भगृह, प्लिंथ और रिटेनिंग वॉल का निर्माण तेजी के साथ चल रहा है।

मंदिर में लगाए जाएंगे 400 खंभे: राम मंदिर के कुडू मंडप, नृत्य मंडप और रंग मंडप के खंभे 30 दिन में लग जाएंगे।

फिर बढ़ सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम!

नई दिल्ली: आने वाले दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में इजाफा हो सकता है। इसकी वजह है देश की सरकारी तेल कंपनियां को हो रहा घाटा। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड को वित्त वर्ष 2022-2023 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 10,196.94 करोड़ का नुकसान हुआ है। ये किसी भी तिमाही में कंपनी को हुआ सबसे ज्यादा घाटा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 1,795 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। वहीं जनवरी-मार्च तिमाही में यह आंकड़ा 1,900.80 करोड़ रुपए था। आईओसीएल को

1,992.53 करोड़ रुपए का लॉस: इससे पहले इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने भी अप्रैल-जून में 1,992.53 करोड़ रुपए का नेट लॉस दर्ज किया था, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में नेट प्रॉफिट 5,941.37 करोड़ रुपए और जनवरी-मार्च तिमाही में 6,021.9 करोड़ रुपए था। ऐसे में आने वाले दिनों में कंपनियां पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ा सकती है।

आईजी व कमिश्नर ने संपूर्ण समाधान दिवस कोरांव में सुनी शिकायतें

278 शिकायती पत्रों में राजस्व से जुड़े आठ मामलों का हुआ निस्तारण

तहसील परिषद कोरांव में शिकायत सुनतेआईजी व कमिश्नर

अखंड भारत संदेश

रत्योरा। शनिवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस कोरांव में अचानक कमिश्नर विजय विश्वास पंत व आईजी राकेश सिंह के पहुंचने से स्थानीय अधिकारियों में हड़कंप मच गया। जैसे ही शिकायत कताओं को सूचना मिली कि आईजी और कमिश्नर खुद संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायतें सुनने पहुंचे हैं तो फरियादियों की भारी भीड़ जुट गई। शिकायत कताओं में चर्चा रही कि जनपद के वरिष्ठ अधिकारी हो या स्थानीय अधिकारियों के मध्य शिकायती प्रार्थना पत्र दिए जाएं सब में मनमानी रिपोर्ट ही लगा दी जाती है। वही शिकायतकर्ता बार-बार संपूर्ण समाधान दिवस में अपनी शिकायतें दर्ज कराते हैं, किंतु एक बार में किसी भी शिकायत का सम्यक निस्तारण नहीं किया जाता है। जिससे संपूर्ण समाधान दिवसो में शिकायती पत्रों का अंबार लगा रहता है। अचानक संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे कमिश्नर व आईजी के समक्ष कुल 278 फरियादियों ने अपनी शिकायतें दर्ज कराई। जिसमें सर्वाधिक 130 शिकायतें राजस्व विभाग की रही, वहीं पुलिस से 40, विकास से 25, समाज कल्याण से 6 तथा अन्य विभागों की 77 शिकायतें दर्ज कराई गई वहीं शिक्षा व स्वास्थ्य से कोई भी शिकायतें नहीं की गई। संपूर्ण समाधान दिवस में बिजली व पानी का मुद्दा छाया रहा। जमुआ गांव के कृषक राकेश सिंह ने शिकायती पत्र दिया कि नहरों का पानी टेल तक नहीं पहुंच पा रहा है जिससे रोपाई का कार्य बाधित है। इसी प्रकार अघोषित बिजली कटौती की भी शिकायतें दर्ज कराई गई।

बारा में समाधान दिवस में मिले 292 शिकायतें

अखंड भारत संदेश

बारा। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में शनिवार को बारा तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस पर भूमिधरी जमीन पर अवैध कब्जा तथा जमीन पैमाइश, तलाबों पर अतिक्रमण सहित पुलिस विभाग एवं अन्य विभाग से सम्बंधित प्रकरण सुनवाई के लिए आयें। जिलाधिकारी ने शिकायतों को सुनते हुए सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को शिकायतों को गुणवत्तापूर्वक एवं समयबद्धता के साथ निस्तारित करने के निर्देश दिये है। जिलाधिकारी ने कहा कि जनशिकायतों का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले बिंदुओं में से एक है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता न बरती जाये। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ तो किया ही जाये साथ ही साथ शिकायतों के निस्तारण से शिकायतकर्ता को संतुष्ट भी होना चाहिए। उन्होंने एक सप्ताह के अंदर समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करायें जाने के निर्देश दिए है। रोशन लाल पुत्र बृजलाल निवासी तहसील बारा ने दबंगों द्वारा उनके घर के सामने आने-जाने के मार्ग पर अवैध रूप से कब्जा कर रास्ता अवरूद्ध कर दिया गया है, जिसपर जिलाधिकारी एसओ बारा को प्रकरण की जांच कर अवैध रूप से कब्जा किए गए मार्ग को खुलवाने के लिए कहा है। राकेश त्रिपाठी निवासी देवखरिया तहसील बारा ने गांव के सम्पर्क मार्ग पर पुलिया बनाये जाने के लिए प्रार्थनापत्र दिया, जिसपर जिलाधिकारी ने पीडब्लूडी एवं बीडीओ को आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा है। शम्भू नाथ सिंह पुत्र स्व0 राम सुमेर ग्राम बीकर थाना घूरपुर तहसील बारा ने अवैध रूप से अतिक्रमण किए जाने की शिकायत की, जिसपर जिलाधिकारी ने एसडीएम बारा को मामले की जांच कर अवैध अतिक्रमण को हटाये जाने के लिए कहा है। उमाशंकर पुत्र स्व0 श्री संतलाल निवासी चिल्लागौहानी, लालापुर तहसील बारा ने दबंगों द्वारा लगातार धमकी दिए जाने की शिकायत की, जिसपर जिलाधिकारी ने एसओ लालापुर को प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा है।सम्पूर्ण समाधान दिवस पर कुल 292 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें राजस्व की 183 पुलिस विभाग की 41, विकास की 27 तथा अन्य विभागों की 41 शिकायतें थी, जिनमें से 11 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आज ही अपने विभागों से सम्बंधित शिकायती प्रार्थना पत्रों को प्राप्त करते हुए निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ निस्तारित करने के निर्देश दिये है। उन्होंने सचेत करते हुए कहा है कि प्रत्येक दशा में शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा में अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कर लिया जाये। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता क्षम्य नहीं होगी। इस अवसर पर एसडीएम बारा, मुख्य चिकित्साधिकारी नानक सरन, उप निदेशक कृषि विनोद कुमार, पीडी ए0के मौर्या, डीडीओ सहित सभी सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

11 शिकायतों का किया गया निस्तारण

बारा तहसील में समाधान दिवस में समस्याओं को निस्तारित करते डीएम व एसपी

न्यूज झरोखा

भगवान राम की नगरी अयोध्या की तर्ज पर भक्तों ने जलाएं मंदिरों में दीपक

सोरांव। शुक्रवार शाम लगभग 7 बजे आदर्श रामलीला कमेटी के सदस्यों ने गोहरी बाजार में पुरुषोत्तम भगवान राम मंदिर के शिलान्यास के सालगिरह पर गांव में स्थित राम मंदिर पर 501 दीपक जलाकर दीपोत्सव कार्यक्रम बनाएं । इसकी चर्चा क्षेत्र में बनी हुई हैं। जिसमें समिति के निर्देशक कुंवर तेजभान सिंह, प्रिंस, अशोक सिंह, विजय सिंह, सुधांशु सिंह,अमन, अंशु सिंह, विशाल सिंह, नितिन सिंह, नितेश सिंह, सोनू मौर्य,रूपचंद मौर्य, अमर बहादुर विश्वकर्मा, और पुष्पा देवी विश्वकर्मा सहित आकाश, राजकरण आदि लोग मौजूद रहे।

उसरही सचिवालय पर पिलाई गई विटामिन ए की दवा

सोरांव। शनिवार को सुबह 8 बजे से शाम 4 बजे तक सोरांव ब्लाक के उसरही ग्राम पंचायत पर एवं एएनएम साधना देवी द्वारा बच्चों को विटामिन ए की खुराक दी गई। जानकारी के अनुसार बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अनुसार वीएचएनडी योजना के तहत शनिवार को उसरही सचिवालय पर कैंप लगाया गया। जिसमें प्रसादपुर उसरही सराय भोगी गांव के काफी बच्चों को जिनकी उम्र 9 माह से 5 साल तक थी। विटामिन ए की खुराक दी गई। वही एनम का कहना है कि विटामिन ए आंखों के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। इससे आंखों में होने वाला रतौंधी रोग से निजात मिलती है। और बच्चों के अंदर प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। इतना ही नहीं साथ में स्वास्थ्य विभाग की टीम में आशा, आंगनवाड़ी आदि लोगों ने गांव-गांव जाकर छाया वीएचएनडी इंजेक्शन व गर्भनिरोधक किट तथा गर्भनिरोधक के बारे में विस्तार से जानकारी भी दिए। इस मौके पर ग्राम पंचायत सचिव नरेंद्र सिंह, ग्राम प्रधान सीता देवी, प्रधान पति अवधेश कुमार कुशवाहा, पंचायत सहायक उर्मिला देवी कुशवाहा,कोटेदार समर बहादुर पटेल, सफाई कर्मी गौरी शंकर धर्मेंद्र कुमार सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

बाबा साहब देश के सच्चे नायक थे : ब्लॉक प्रमुख शैलेश यादव

प्रतापपुर। आजादी अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को लोढ़ीडीह गाँव में ब्लाक प्रमुख प्रतापपुर शैलेश यादव व खानपुर डाँडी में प्रणव त्रिपाठी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजयुमों के अगुवाई में बाबा साहब डॉ.भीमराव आम्बेडकर की मूर्ति की साफ-सफाई कराकर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख शैलेश यादव ने कहा बाबा साहब देश के सच्चे नायक थे उन्होंने अछूत समाज को जगाया, खुद उनकी आवाज बने। देश के राजनीतिक ढांचे को लोकतांत्रिक स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कानून मंत्री के रूप में हिंदू कोड बिल पेश करके महिलाओं को अधिकार दिलाए। संविधान के इस महान शिल्पी के रोम-रोम में राष्ट्रीयता के भाव भरे हुए थे। छुआछूत, गैर बराबरी और आर्थिक विषमताओं से संघर्ष में तपकर वे विद्रोही तो बने लेकिन विध्वंसक नहीं थे।इस मौके पर कार्यक्रम के संयुक्त संयोजक भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रतापपुर आशुतोष त्रिपाठी व उदयवीर, महावीर मिश्रा, शेषधर शर्मा, प्रदीप मिश्रा, आचार्य मयंक मिश्रा, लालेश सिंह पटेल, सुनील त्रिपाठी, राजकुमार सिंह सहित तमाम भाजपा कार्यकर्ता सम्मलित रहे।

प्राथमिक विद्यालय मिजार्पुर में बाल सरकार का गठन

प्रतापपुर। ब्लॉक अंतर्गत मिजार्पुर प्राथमिक विद्यालय मे प्रभारी प्रधानाचार्य अजीत कुमार पांडेय, सहायक अध्यापक प्रवीण सिंह, बड़ेलाल सोनकर, रीना गुप्ता के मार्गर्शन में चुनाव कराकर बाल सरकार का गठन किया गया।चुनाव में बच्चों की सर्वसम्मति से राज सरोज को प्रधानमंत्री एवं सिद्धार्थ कश्यप को उप प्रधानमंत्री के पद पर नियुक्त किया गया।उनके कार्यकारणी में शिक्षा मंत्री गरिमा कुमारी एवं अंशिका स्वास्थ्य मंत्री, आदर्श शर्मा एवं कुणाल जल एवं पर्यावरण मंत्री, अंश एवं रत्नेश उप जल मंत्री, युवराज एवं आकांक्षा खेल मंत्री, नितिन एवं नव्या सांस्कृतिक मंत्री, महर्षि एवं शिवानी पुस्तकालय मंत्री प्रतिभा साकेत को जिम्मेदारी मिली। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह गाँव के संभ्रांत व्यक्ति माता शंकर तिवारी, राम बहादुर सिंह, अंकुश उपाध्याय, सीता देवी, परमिला देवी, गेंदा देवी उपस्थित रहे और विद्यालय के शिक्षकों की सराहना करते हुए बाल सरकार की नई कार्यकारणी को बधाई एवं शुभकामनाएं दिया।

भागवत कथा के तीसरे दिन विभिन्न प्रसंगों पर किए प्रवचन

जारी। जारी स्थित बड़े हनुमान जी के मंदिर में दिन शनिवार को श्रावण मास के पावन पर्व पर राधा माधव भक्त मंडली द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के तीसरे दिन कथा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कथा वाचिका किशोरी मनु प्रिया जी ने कहां कि जीवन में सत्संग व शास्त्रों में बताए आदर्शों का श्रवण करने का सत्संग में वह शक्ति है, जो व्यक्ति के जीवन को बदल देती है। उन्होंने कहा कि व्यक्तियों को अपने जीवन में क्रोध, लोभ, मोह, हिंसा, संग्रह आदि का त्यागकर विवेक के साथ श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए। और मनुष्य जीवन में जाने अनजाने प्रतिदिन कई पाप होते है। उनका ईश्वर के समक्ष प्रायश्चित करना ही एक मात्र मुक्ति पाने का उपाय है। उन्होंने ईश्वर आराधना के साथ अच्छे कर्म करने का आह्वान किया। कथा में मुख्य रूप से सहयोगी के रुप में पूज्य सत्यम प्रपन्नाचार्य ,मनोज केसरवानी, तिवारी जी, शिवराम अग्रहरी ,पीयूष पांडे ,आचार्य शांतनु ,आरती पांडे ,सुधाकर देव, शिवम तिवारी अन्य समस्त जारी बाजार के व्यापारी एवं समस्त भक्त जन शामिल रहे।

बीएसए ने मिशन प्रेरणा व ऑपरेशन कायाकल्प हेतु दिया प्रशस्ति पत्र

प्रतापपुर। ब्लॉक संसाधन केंद्र प्रतापपुर अंतर्गत एकेडमिक रिसोर्स पर्सन (एआरपी) सत्येंद्र द्विवेदी को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने मिशन प्रेरणा, ऑपरेशन कायाकल्प, नामांकन वृद्धि एवं निपुण भारत मिशन में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। यह सम्मान उन्हें सीमैट प्रयागराज में एकेडमिक आवश्यकताओं हेतु नई पहल एवं विकास विषयक आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला 'निदान' में प्रदान किया गया।बीआरसी प्रतापपुर में एमआरपी सत्येंद्र द्विवेदी को कोविड वैक्सीनेशन एवं सर्वे सत्यापन आदि कई बहुउद्देश्यीय कार्यों में उल्लेखनीय योगदान के लिए वित्तीय वर्ष 2022-23 की एकेडमिक रिसोर्स पर्सन हेतु आयोजित कार्यशाला में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज प्रवीण कुमार तिवारी द्वारा प्रदान किया गया। एआरपी द्विवेदी को मिले इस सम्मान पर शिक्षकों ने खुशी व्यक्त किया है।

पेंटिंग मजदूर की धारदार हथियार से नृशंस हत्या

अखंड भारत संदेश

घटना के बाद लगी भारी भीड व परिजनों को समझाती पुलिस

नैनी। थाना नैनी के फूलमंडी इलाके के रहने वाले पेंटिंग मजदूर की धूमनगंज के पीपलगांव में शुक्रवार को धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव के घर पहुँचने पर परिजनों ने सड़क जाम करने की कोशिश की। मौके पर मौजूद पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझा बुझा कर सड़क से जाम को खुलवाया।

मिली जानकारी के अनुसार मेवालाल उर्फ कुनरु 30 पुत्र कड़ेदीन पेंटिंग मजदूर था। मेहनत मजदूरी कर वह अपने परिवार का पालन पोषण करता था। शुक्रवार की सुबह वह धूमनगंज के पीपल गांव मजदूरी करने गया था। परिजनों ने बताया कि रात करीब नौ बजे कुछ पुलिस वाले आये और बताया कि कुनरु गम्भीर रूप से घायल है और उसे मेडिकल में भर्ती कराया गया है। परिजन रोते पीटते हुए अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शनिवार को फूलमंडी में तमाम रिश्तेदार और जानने वाले जुट कर शोर शराबा करने लगे।सूचना मिलने पर मौके पर पहुची पुलिस को देख कर लोगो ने चक्का जाम करने की कोशिश की।पुलिस ने किसी तरह सभी को समझाया बुझाया। परिजन भारी मन से शव को अंतिम संस्कार के लिए लेकर चले गए।पुलिस के अनुसार शुक्रवार की रात घर वापस जाते समय कुनरु का ई रिक्सा चालक से विवाद हुआ था। जिसमें चालक ने कुनरु की हत्या की सूचना है। इस बारे में परिजनों से तहरीर अभी नही मिली है। कुनरु की शादी एक साल पहले कौंधियारा के खपतिहा गांव में हुई थी। पत्नी का रो रो कर बुरा हाल है।

निमार्णाधीन अटल आवासीय विद्यालय का कमिश्नर व आईजी ने किया निरीक्षण

रत्यौरा। संपूर्ण समाधान दिवस कोरांव में पहुंचे कमिश्नर व आईजी ने कोराव तहसील क्षेत्र के बेलहट गांव में निमार्णाधीन अटल आवासीय विद्यालय का अचानक निरीक्षण करने पंहुच गये। निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को फटकार लगाते हुए निर्माण कार्य में की गई मनमानी की टेक्निकल जांच के निर्देश कमिश्नर ने दिए हैं। इसी प्रकार वाटर लेवल नीचे होने पर पानी की अनुपलब्धता पर अधिशासी अभियंता जल निगम को शीघ्र पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया है। अटल आवासीय विद्यालय में लग रही ईटों का निरीक्षण करते हुए कमिश्नर ने एक नंबर की न होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए जांच के निर्देश दिए हैं। इसी प्रकार स्थानीय नदियों की बालू से ही जुड़ाई का कार्य कराने पर भी नाराजगी जाहिर की है। अटल आवासीय विद्यालय का निर्माण कार्य 30 जून तक पूरा होना था लेकिन अगस्त माह में भी निर्माण कार्य प्रगति पर है। निर्माण कार्यदायी संस्था को कमिश्नर ने फटकार लगाते हुए शीघ्र निर्माण कार्य को पूरा करने का निर्देश दिया है।संस्था ने दिसंबर माह में निर्माण कार्य पूरा कर देने की बात कही है।

झूंसी में गन्दगी के गिरफ्त के बीच दम तोड़ रहा स्वच्छ भारत मिशन

झूंसी। स्वच्छता अभियान केंद्र व प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। सरकार की मंशा शहर से लेकर गांवों को स्वच्छ बनाकर देश की तस्वीर संवारने की है लेकिन जिनके ऊपर इस अभियान को अंजाम तक पहुंचाने की जिम्मेदारी है वही बेपरवाह बने हुए हैं और सफाई को लेकर गंभीर नही दिख रहे। झूंसी में गन्दगी का अंबार स्वच्छ भारत मिशन अभियान को आइना दिखा रहा है। यहां की सफाई व्यवस्था बेपटरी है, सड़कें गंदगी से पटी हैं और नालियां चोक हैं। इसके चलते नालियों का पानी सड़क पर बह रहा है। जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के निए सफाई कर्मचारी तैनात जरूर है। लेकिन वह भी वीआईपी, रसूखदारों के मकानों के इर्द गिर्द तक ही सीमित है। इसका नतीजा है कि कोहना, हवेलिया, मलिन बस्तियों में गंदगी का वातावरण दिख रहा है। लोगों की मानें तो सफाईकर्मी कभी कभार आते भी है तो कोरम पूरा कर चले जाते है। सड़कों किनारे कचरे के बीच से उठती दुर्गंध में लोगो का सांस लेना भी मुहाल कर रहा है बजबजाती नालियां मच्छरों के प्रजनन में सहायक साबित हो रहे हैं। इससे गांव में मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ा हुआ है। इस बदहाली के बीच डेंगू जैसे संक्रमण के फैलने से इनकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावा अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा भी बराबर बना हुआ है। लेकिन शायद जिम्मेदारों को इससे कोई मतलब नहीं है। उनकी ओर से लोगों के स्वास्थ्य की चिंता कागजो में की जाती देखी जा रही है। लेकिन धरातल पर असल कुछ और ही दिखाई दे रहा है।

अपना दल (एस) को मिला राज्य स्तरीय पार्टी का दर्जा

अपना दल (एस) के कार्यकताओं ने मनाया हर्षोल्लास कार्यक्रम, बांटी मिठाईयां

रत्योरा। शनिवार को विधानसभा कोराव में अपना दल (सोनेलाल) के कार्यकताओं ने देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में पार्टी को राज्य स्तरीय दर्जा (चुनाव आयोग द्वारा) प्राप्त होने पर हर्षोल्लास कार्यक्रम मनाया। नगर पंचायत कोरांव में डीजे के साथ पदाधिकारी व कार्यकर्ता, समर्थकों के साथ विजय जुलूस निकालकर बाजार में भ्रमण करते हुए एक दूसरे के साथ खुशी का इजहार किया। इस दौरान मिष्ठान लड्डू बांटकर खुशियां मनाई। पार्टी कार्यालय पर मुख्य अतिथि राम जी सिंह पटेल राष्ट्रीय सचिव अपना दल एस ने केक काटकर कार्यकताओं के साथ खुशी जाहिर की। इस दौरान पार्टी के राष्ट्रीय सचिव रामजी सिंह पटेल ने कहा कि कार्यकताओं की मेहनत व हम लोगों की नेता राष्ट्रीय अध्यक्षा अनुप्रिया पटेल की लगनशीलता ने रंग लाया और पार्टी को पुराना चुनाव निशान कप प्लेट भी प्राप्त हुआ। जिससे आज हर कार्यकर्ता अपने आप को गौरवशाली महसूस कर रहा है। आगंतुकों व समर्थकों व समर्थकों में बेहद उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रही श्रीमती चंद्र कली कोल पूर्व जिला पंचायत सदस्य एवं वरिष्ठ नेता अपना दल ने भी कार्यकताओं का उत्साह वर्धन करते हुए पार्टी नेता अनुप्रिया पटेल को बधाई दी। कार्यक्रम संयोजक रहे जिला उपाध्यक्ष यमुनापार लाल शास्त्री पटेल अध्यक्षता की। इस दौरान प्रमुख रूप से विधानसभा अध्यक्ष कोरांव संजय धनगर, जिलाध्यक्ष चिकित्सा मंच डॉ0 हरिश्चंद्र सिंह पटेल, जिला महासचिव लक्ष्मी नारायण पाल, जिला मीडिया प्रभारी सम्राट राहुल मौर्य, जिला सचिव युवा मंच, नगर अध्यक्ष गोपाल कृष्ण केसरी, नगर उपाध्यक्ष पंकज कनौजिया, प्रभाकर , अनिल कुमार सिंह उर्फ कमलाकर पटेल, प्रेम शंकर, त्रिलोकीनाथ, राकेश सिंह, राकेश पाल, प्रेम शंकर, भोला नाथ सिंह, मानिक चंद्र पटेल समेत भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सिर्फ भाजपा ने किया महापुरुषों का सम्मान : दीपक पटेल

मऊआइमा। समाज और देश की सेवा में अपनी पूरा जवीन समर्पित कर दिया ऐसे संविधान निमार्ता भारत रत्न बाबासाहब एवं अन्य महापुरुषों का सम्मान यदि किसी दल ने किया तो वो सिर्फ भाजपा ही है उक्त बातें पूर्व विधायक दीपक पटेल ने मऊआइमा में बाबासाहब के चित्र पर माल्यार्पण करने के पश्चात कहीं अपने सम्बोधन में उन्होंने आगे कहा कि हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं और प्रधानमंत्री द्वारा हम सभी को हर घर तिरंगा अभियान दिया गया है जिसके तहत 13 से 15 अगस्त तक हर घर में तिरंगा फहराया जाएगा इस कार्य को हम सभी को उत्सव की तरह करना हैं उसी क्रम में हम सब महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको नमन कर रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ प्रकाश पटेल,निमिष खत्री,प्रकाश त्रिपाठी,शारदा प्रसाद शुक्ला,रामसुंदर मिश्रा,राहुल शुक्ला,आसमा बानो, रामपलट पटेल,आदेश पांडेय, राहुल सिंह,जयप्रकाश पटेल, राजेंद्र यादव,विजय सिंह,मदन लाल गुप्ता,राजकरन सिंह,सांसद मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी आदि भाजपा कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे।

आजादी महोत्सव कार्यक्रम में तिरंगे का अपमान कतई बर्दाश्त नहीं : सीडीओ

अखंड भारत संदेश

करछना। मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज शिपू गिरि शनिवार को करछना तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर फरियादियों की जन सुनवाई के दौरान उक्त बातें कहीं उन्होंने बताया कि 15 अगस्त आजादी महोत्सव के उपरांत किसी भी सरकारी कार्यालय अथवा पंचायतों में किसी भी प्रकार से तिरंगे का अपमान नहीं होना चाहिए निर्धारित समय पर तिरंगे का झंडारोहण कर देश का गौरव बढ़ाएं तहसील संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर उपस्थित संबंधित अधिकारियों को फरियादियों द्वारा की गई शिकायतों को समयबद्ध तरीके से उनका निस्तारण कराना प्रत्येक अधिकारी का कर्तव्य होता है तथा फरियादियों का समय पर उनकी समस्याओं को अनसुना कतई ना करें दोबारा शिकायतें आने पर संबंधित विभाग के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी इस दौरान क्षेत्र से आए हुए फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित 170 शिकायतें दर्ज कराई जिसमें मौके पर पांच का निस्तारण किया गया शेष शिकायतों का संबंधित विभाग को एक सप्ताह के भीतर निस्तारण कर अवगत कराने का निर्देश दिया इस मौके पर एसडीएम रेनू सिंह, तहसीलदार , खंड विकास अधिकारी करछना देव कुमार, एडीओ पंचायत विवेक कुमार मिश्रा खंड विकास अधिकारी कौंधियारा , एसपी जमुनापार सीओ करछना तथा संबंधित के थाना प्रभारी सहित कई विभाग के अधिकारी संपूर्ण समाधान दिवस पर मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा स्पोर्ट्स ग्राउंड पर हुआ वृक्षारोपण

नैनी। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत सैम हिग्गिनबॉटम कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा स्पोर्ट्स ग्राउंड के चारों ओर वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन तरु वीथिका सोसायटी के सहयोग से हुआ। एनएसएस कोऑर्डिनेटर डॉ दीपक कुमार बोस ने बताया कि निदेशक प्रशासन श्री विनोद बि लाल के मार्ग निर्देशन में 213 पौधों का पौधारोपण किया गया जिसमें लगभग 400 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक शोध प्रोफेसर शैलेश मारकर, निदेशक प्रसार प्रोफेसर आरिफ ए ब्रॉडवे एवं डीन डॉ विश्वरूप मेहरा उपस्थित रहे। उप कार्यक्रम समन्वयक सत्यम कुमार केसरी ने बताया कि हॉर्टिकल्चर के विभागाध्यक्ष डॉ राजवाड़े के पर्यवेक्षण में सागवान, अशोक, कचनार, जामुन आदि के पौधे लगाए गए। कार्यक्रम के आयोजन में कार्यक्रम अधिकारी डा रामपाल, डा अनीशा, डा हीरा बोस, डा भावना, डा ज्योत्सना, डा कामिनी, डा अनुराग, डा नीना, डा हर्षित, डा मुकेश सहित डा वी एम प्रसाद, डा अतुल वा शारीरिक शिक्षा विभाग के शिक्षक व कर्मचारियों ने विशेष सहयोग दिया।

अमृत महोत्सव : राजा कमलाकर के बच्चों ने निकाली तिरंगा रैली

शंकरगढ़। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में शनिवार को राजा कमलाकर इंटर कालेज के बच्चों ने कालेज से तिरंगा रैली निकाली।यह रैली शंकरगढ़ ब्लाक के शहीद स्मारक पर जाकर समाप्त हुई।जहां पर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेने का आह्वान किया गया।बच्चों ने देश के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वालों को नमन करते हुए कहा कि उनका त्याग और बलिदान कभी भी भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने देश के लिए अपने सर्वस्व बलिदान कर दिया, जिसकी बदौलत आज हम सभी खुली हवा में सांस ले रहे हैं। इस रैली में इंटरमीडिएट विज्ञान वर्ग के बच्चे शामिल हुए। इसके बाद बच्चों की यह रैली शहीद स्थल से चलकर विद्यालय में समाप्त हो गई।इसके पूर्व विद्यालय परिसर से प्रधानाचार्य अनय प्रताप सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में रैली के उपरांत कालेज परिसर में निबंध और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। देशभक्ति, त्याग और बलिदान पर आयोजित इस प्रतियोगिता में बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। पोस्टर प्रतियोगिता में 65 और निबंध प्रतियोगिता में लगभग 80 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक राम बोध खरवार, सीपी सिंह, अजय कुमार, ओपी धारिया, बृजेश कुमार यादव, पन्नेलाल, सुरेंद्र, प्रदीप सिंह, राम सिंह, सिद्धार्थ तिवारी, रणवीर सिंह, शिवाकांत पाल, योगेंद्र कुमार पांडेय, लाडली वर्मा, शैल त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

द्वादश ज्योतिर्लिंग (पार्थिव) महाभिषेक, शिव महापुराण कथा का आयोजन कुंदौरा धाम में बुधवार से

धनूपुर। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी सर्वधर्म समन्वय समिति कुंदौरा महादेव द्वारा द्वादश ज्योतिर्लिंग (पार्थिव) महाभिषेक एवं तीन दिवसीय शिव महापुराण कथा का आयोजन कुंदौरा धाम में बुधवार 10 अगस्त से 12 अगस्त शुक्रवार तक सुबह 7- 11 बजे के मध्य आयोजित किया गया है। जिसमें कथा व्यास आदिशक्ति पीठ चक्रसुदर्शनपुरी प्रयाग जगतगुरु स्वामी रामानुजाचार्य हरिप्रपन्नाचार्य महाराज होगें एवं प्रेरणास्रोत आचार्य सूरज महाराज श्रीधाम वृंदावन एवं मानस मतंग स्वामी अनुजाचार्य महाराज रहेंगे। यह जानकारी समिति के अध्यक्ष जवाहरलाल गौड़ ने दिया है एवं उक्त कार्यक्रम में सपरिवार सभी को आमंत्रित किया है।

परंपरा के अनुसार अपने पुराने रास्तों से निकला सातवीं मोहर्रम का जुलूस

अखंड भारत संदेश

लालगोपालगंज। स्थानीय कस्बा में परंपरागत ढंग से सातवीं मोहर्रम का जुलूस निकाला गया। जुलूस अपने पुराने निर्धारित रास्तों से गुजरा। जुलूस के रास्ते पर विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं ने सबील और लंगर की व्यवस्था की थी। सैकड़ों अकीदतमंद जुलूस के साथ शामिल थे। अजादारों ने मातम कर कर्बला के शहीदों को खिराज-ए-अकीदत पेश की। लालगोपालगंज में शनिवार को लगभग 3 बजे इमामगंज मोहल्ला से साथ में मोहर्रम का जुलूस निकाला गया। जहां कस्बा की विभिन्न तंजीम के लोग एकत्रित होकर जुलूस में शामिल हुए। जुलूस इमामगंज से निकलकर दानियालपुर से खानजहानपुर पहुंचा। इस दरमियान जुलूस के रास्ते पर जगह-जगह सबील और लंगर वितरित किए गए। नौहा ख्वानी और सीना जनी कर अजादारों ने कर्बला के शहीदों को खिराज-ए-अकीदत पेश की। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। नगर पंचायत चेयरमैन मुख्तार अहमद जुलूस के साथ साथ चल रहे थे। जुलूस के समाप्त होने तक चेयरमैन जुलूस के साथ ही रहे। जुलूस निकलने से पहले ही प्रशासनिक अधिकारी और पुलिस मुस्लिम मोहल्लों का भ्रमण करते रहे। जुलूस में एसडीएम सोरांव, सीओ सोरांव सुधीर कुमार, नवाबगंज थाना प्रभारी राकेश कुमार राय, लालगोपालगंज चौकी प्रभारी हर्ष वीर सिंह अपने हमराहियों के साथ तैनात रहे।

लालगोपालगंज के सातवीं मोहर्रम के जुलूस में मातम करते अजादार

लालगोपालगंज के जुलूस में शामिल चेयरमैन मुख्तार अहमद

1836 मे कायम दुलदुल का निकला जुलूस

प्रयागराज। करबला के बलिदानी हजरत इमाम हुसैन के नाना पैगम्बर मोहम्मद साहब की सवारी मे शामिल जुलजनाह घोड़े की शबीह पाँचवीं मोहर्रम को पानदरीबा स्थित मिर्जा सफदर अली बेग से भोर मे पाँच बजे गुलाब व चमेली के फूलों से सजा कर अकीदतमन्दों की टोली के साथ या हुसैन या हुसैन की सदा के साथ आधे शहर मे गश्त करती रही।1836 मे कायम दुलदुल का जुलूस दो वर्ष तक कोरोना बन्दिशों के कारण सड़कों व गलियों मे न घुमा कर इमामबाड़ा प्रांगण मे ही सजा कर जियारत कराई गई थी।इस वर्ष सभी बन्दिशें हटने पर दुलदुल का जुलूस अपने कदीमी रास्तों को तय करते हुए दूसरे दिन प्रातः पाँच बजे समाप्त हुआ।अन्जुमन गुन्चा ए कासिमया के प्रवक्ता सैय्यद मोहम्मद अस्करी के मुताबिक दुलदुल जुलूस आयोजक दुलदुल के साथ इमामबाड़ा सफदर अली बेग से भोर मे पाँच बजे निकले शाहगंज ,बरनतला ,नखास कोहना ,अहमदगंज ,पुराना गुड़िया तालाब ,अकबरपुर , सियाहमुर्ग ,बख्शी बाजार ,रौशनबाग ,ताराबाबू की गली ,गुलाबबाड़ी ,दायरा शाह अजमल ,बैदन टोला ,सेंवईमण्डी इमामबाड़ा ,हसनमंजिल ,समदाबाद ,रानीमण्डी ,मुरख्खाना ,धोबी गली ,बच्चा जी धरमशाला ,चड़ढ़ा रोड ,कोतवाली ,लोकनाथ चौराहा ,गुड़मंडी ,बहादुरगंज ,चक जीरो रोड ,घंटाघर ,सब्जीमण्डी होते हुए प्रातः पाँच बजे पुनाः पानदरीबा स्थित इमामबाड़ा सफदर अली बेग पहुँच कर जुलूस का समापन किया।वहीं सातवीं मोहर्रम को दायरा शाह अजमल इमामबाड़ा अली नकी मरहूम से दो दर्जन अलम का जुलूस भी दुलदुल के साथ इमामबाड़ा डाक्टर मुस्तफा तक गया।नौहाख्वान कदीमी नौहा इसलाम के दुशमन पीते थे दरिया मे छलकता था पानी..पढते साथ साथ चल रहे थे।दूसरा जुलूस रानीमण्डी से निकला जिसमे अन्जुमन अब्बासिया ,अन्जुमन हैदरिया ,अन्जुमन मजलूमिया अन्जुमन आबिदया अलम ताबूत व जुलजनाह के साथ साथ नौहा पढ़ते व मातम करते निकली।कोतवाली से छोटी चक इमामबाड़ा तक सभी अन्जुमनों के सदस्य तेज धार की छूरीयों से लैस जनजीरों से पुश्तजनी कर अपने अकीदत का इजहार करते रहे।दुलदुल जुलूस की कयादत बाबर बेग ,सोहैल ,शमशाद , जहाँगीर ,तनवीर आलम ,सलीम साहब ,माहे आलम ,अहमद हुसैन ,हसन मेंहदी ,मुतुर्जा अली बेग ,मुजतबा अली बेग ,सादिक हुसैन ,रिजवान हुसैन ,जाने आलम ,शहबाज मोहम्मद अली ,सलमान हैदर ,तनवीर ,अलमास ,सैफ , फैज ,गौहर काजमी ,वकार भाई ,असगर अब्बास ,सैय्यद मोहम्मद अस्करी ,शजीह अब्बास ,आसिफ रिजवी ,अमन जायसी आदि जुलूस के साथ साथ रहे।

घर में युवती को अकेला देखकर युवक घुस कर किया दुराचार , मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। युवती को घर में अकेला देखकर एक युवक युवती को डरा धमकाकर किया ब्लात्कार । परिजनों के आने पर युवती आप बीती बताई। पुलिस ने युवती की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुट गई है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सेमरावीरभानपुर निवासनीय एक युवती का आरोप है कि वह घर में अकेली थी। जिसे देखकर गांव का एक युवक घर में घुस कर जान से मारने की धमकी देते हुए मुंह दबाकर दुराचार किया। कुछ ही देर में युवती के परिजन आ गए। पीडिता ने आप बीती बताई। परिजन युवती को लेकर मऊआइमा थाने आए और युवती की तहरीर पर पुलिस ने लालचन्द्र पुत्र अमृतलाल के खिलाफ संगीन धाराओ में मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुट गई। तथा युवती को मेडिकल चेकअप के लिए भेज दिया गया है ।

मारपीट में पांच नामजद अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। पैसों के लेन देन को लेकर मार पीट में कई जख्मी हुए है । भुक्तभोगी की तहरीर पर पुलिस ने पांच नामजद अन्य अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। थाना क्षेत्र के ब्लाक बाजार के निकट पैसों के लेन देन को लेकर लाठी डंडों से मार पीट हुई। जिसमें कई घायल हुए हैं। जख्मी शाहबाज पुत्र इलियास नया पूरा अलीपुर मान्धाता जिला प्रतापगढ़ ने मऊआइमा थाने में महजबुल ,गयास ,शाहिल ,फखरेआलम, नियाज तथा तीन अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है । उधर ग्राम नवाबपुर उर्फ खानपुर निवासनीय एक महिला का आरोप है कि उसेके घर के सामने उसे देखा कर एक युवक इशारेबाजी कर रहा था। पुलिस ने महिला की तहरीर पर अज्ञात युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पास्को का वांछित आरोपी गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना धूमनगंज की पुलिस द्वारा पास्को से सम्बन्धित मुकदमे के वांछित आरोपी को थानाक्षेत्र से गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही के बाद जेल भेजा गया।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज शैलेश कुमार पाण्डेय के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियो पर अंकुश लगाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी द्वितीय के निर्देशन में प्रयागराज नगर थाना धूमनगंज के प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार मौर्या के कुशल नेतृत्व में गठित टीम उप निरीक्षक प्रभारी सुभाष कुमार सिंह कास्टेबल शिवाकान्त चौधरी ने थाना धूमनगंज पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 514/ 2022 में वांछित ब्यक्ति लालचन्द्र पुत्र बरमदीन उम्र 32 वर्ष निवासी बाकराबाद बमरौली थाना पूरामुफ्ती जनपद प्रयागराज को खास सूचना पर घेराबन्दी कर गंगा भोजनालय के पास से गिरफ्तार किया सूचना के अनुसार गिरफ्तार आरोपी को पुलिस थाने ले आयीं जहा आगे की विधिक कार्रवाई की गयी।

34 वर्षो बाद भी किसानों की नहर के लिए ली गई जमीन का मुआवजा नहीं मिला

आज फुलपुर तहसील में धरना प्रदर्शन करते हुए अधिकारियों को दिया ज्ञापन

प्रयागराज। अखिल भारतीय किसान महासभा के नेतृत्व में उप जिलाधिकारी कार्यालय फुलपुर, प्रयागराज, तहसील दिवस पर शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीके से कोविड-19 के दिशा निर्देश का पालन करते हुए धरना प्रदर्शन करते हुए शारदा सहायक खंड 39 लतीफपुर माइनर में वर्ष 1988 में शामिल किसानों की जमीन का मुआवजा तत्काल दिए जाने की मांग का ज्ञापन उच्च अधिकारियों को सौपा गया, धरने को सम्बोधित करते हुए वक्ताओ ने कहा कि* लतीफपुर माइनर नहर सन 1988 में अधीकृत की गई जमीन का अभी तक 2022 में भी मुआवजा नहीं दिया गया है, किसानों की जमीन से जब नहर निकाली जा रही थी तब किसानों ने विरोध किया था, तब तात्कालिक जिला प्रशासन ने हस्तक्षेप करते हुए किसानों की नहर में ली जा रही जमीन का उचित मुआवजा देने के शर्त पर नहर निकाली गई थी, लेकिन आज 34 वर्षों बाद भी किसानों की नहर के लिए ली गई जमीन का मुआवजा नहीं दिया गया है, जो बहुत ही दुःखद, तकलीफदेह और शर्मनाक है, शारदा खंड 39 लतीफपुर माइनर नहर में ग्राम- गडौर, मंगरा, दुलमापुर, चोरहाई, कोडापुर, नगरिया, टटेहरा, सैफजानपुर, के किसानों की जमीन शामिल है, मुआवजे की मांग के लिए पूर्व में भी कई बार धरना प्रदर्शन और अधिकारियों को ज्ञापन दिया जा चुका है, इस सुखे के समय भी सरकार यदि किसानों के ज्वलंत मुद्दों को वरीयता देकर हल नहीं करेंगी तो किसान बड़े आंदोलन करने को बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होंगी,धरने में मुख्य वक्ता ऐक्टू के राष्ट्रीय सचिव डॉ कमल उसरी*, इफको फुलपुर ठेका मजदूर संघ मंत्री कॉम त्रिलोकी पटेल, त्रिभुवन यादव, जगदीश कुमार, सुभाष चंद्र भारतीय, श्रीमती निर्मला देवी, राकेश पाल एडवो नरेंद्र प्रताप यादव, एडवो अशरफ, भारतीय किसान यूनियन से डॉ लाल प्रताप यादव, बैजनाथ भारतीय, इत्यादि लोग उपस्थित रहे, धरने की अध्यक्षता अखिल भारतीय किसान महासभा, प्रयागराज जिला संयोजक कॉम सुभाष पटेल और संचालन कॉम अभयराज यादव ने किया।

अखिल भारतीय किसान सभा के लोग

न्यूज झरोखा

अपना दल (एस) को चुनाव आयोग ने दिया राज्य स्तरीय दर्जा

प्रयागराज। अपना दल (एस) पार्टी को चुनाव आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश में राज्य स्तरीय पार्टी का दर्जा प्राप्त होने के उपलक्ष्य में माननीय उच्च न्यायालय के सम्मानित अधिवक्ताओं वा विधि मंच के पदाधिकारियों के साथ हाई कोर्ट स्थित डाङ्ग भीमराव अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर हाई कोर्ट परिसर में मिष्ठान वितरण किया गया। उक्त मौके पर विधि मंच राष्ट्रीय अध्यक्ष (का) अभिषेक चौबे ने विधि मंच के अधिवक्ता साथियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारी पार्टी को चुनाव आयोग द्वारा राज्य स्तरीय दल की मान्यता मिलना ये बताता है कि अपना दल उत्तर में एक बड़ी ताकत के रूप में उभर कर सामने आया है, और ये सब हमारे राष्ट्रीय नेतृत्व के रूप में माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल व कार्यकारी अध्यक्ष आशीष पटेल जी के कुशल नेतृत्व और करोड़ो कार्यकताओं के परिश्रम का प्रतिफल है। उक्त अवसर पर प्रदेश सचिव विधि मंच रमेश पटेल जी, नवनियुक्त स्थाई अधिवक्ता प्रदीप तिवारी जी, एडवोकेट वीरेंद्र सिंह चौधरी जी, एडवोकेट बृजेश पटेल जी जिला उपाध्यक्ष विधि मंच गंगापार, एडवोकेट संजय कुमार जी, एडवोकेट राजकुमार मिश्र जी, एडवोकेट एस एन पांडे जी, कमलेश पाण्डेय जी, राजेश पटेल जी समेत सैकड़ो सम्मानित अधिवक्ता साथी मौजूद रहे।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अविनय सिंह पुत्र भूपेन्द्र सिंह विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल झलवा, प्रयागराज में कक्षा 6 का छात्र है । जिसकी जन्म तिथि 05–02–2012 है। माता का नाम गुलाब कली आधार नं. 9741 4644 8987 और जन्म तिथि 02–07–1988 है । अविनय सिंह का नाम बदल कर आदर्श सिंह किया जाता है और अब छात्र का नाम आदर्श सिंह समझा जाय । सूचना दाता पिता भुपेन्द्र सिंह पुत्र शिव सम्मपत सिंह आधार नं. 6804 7856 2291 जन्म तिथि 1.05.1981 निवासी ग्राम व पोस्ट अलवारा थाना महेवा घाट, जनपद –कौशाम्बी।

डीसीपीसी संग कश्मीरियों ने निकाली तिरंगा यात्रा

आजादी का अमृत महोत्सव : हर घर तिरंगा

f

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के अवसर पर तिरंगा पदयात्रा अभियान के तहत जिला अपराध निरोधक समिति व कश्मीरी समाज इलाहाबाद के संयुक्त तत्वावधान में तिरंगा यात्रा निकाली गई। सिविल लाइंस में कश्मीरी समाज तिरंगा यात्रा निकाल भारत माता और तिरंगे के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

अपराध निरोधक समिति लखनऊ के अनुसचिव/ जेल विजिटर संतोष कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में जिला अपराध निरोधक समिति प्रयागराज (डीसीपीसी) एवं कश्मीरी समाज इलाहाबाद के सहयोग से शुक्रवार की शाम साढ़े पांच बजे से पत्थर गिरजाघर चौराहे से तिरंगा यात्रा का शुभारंभ हुआ। पत्थर गिरजाघर से निकली तिरंगा यात्रा सुभाष चौराहे पर पहुंचकर समाप्त हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव को मनाने के सिलसिला के क्रम में जिला अपराध निरोधक समिति प्रयागराज एवं कश्मीरी समाज इलाहाबाद द्वारा हर-घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा की भी तैयारी की गई है। इस अवसर पर सभी पदाधिकारीगण/ सदस्यगण लक्ष्मीकांत मिश्र, कुलदीप धर, स्मृति सांग लू, अपने परिवार के साथ कश्मीरी समाज की महिलाएं व पुरुष, जीतेंद्र श्रीवास्तव, विशाल श्रीवास्तव, प्रशांत सिंह, कयामुद्दीन, शोएब आलम, निसार अहमद, मनीष कुमार विश्वकर्मा, संदीप केसरी, सिद्धार्थ मिश्र, सुनील कुमार शुक्ल, दीप्ति, योगेश्वर, शिवा त्रिपाठी, आनंद सिंह, अरुण कुमार पांडेय, धर्मेंद्र कनौजिया, सचिन केसरवानी, मनीष केसरवानी, हिमांशु केसरवानी समेत तमाम लोग मौजूद रहे। इस दौरान सुरक्षाव्यवस्था की जिम्मेदारी को स्थानीय पुलिस के साथ आलाधिकारी भी मौजूद रहे।

भाजयुमों की तिरंगा यात्रा सरायपीथा स्वास्थ्य केंद्र से धनूपुर ब्लॉक तक 10 अगस्त को

धनूपुर। धनूपुर मंडल भाजपा युवा मोर्चा के सभी पदाधिकारियों की बैठक का आयोजन अनुराग पांडेय मंडल अध्यक्ष भाजयुमो धनूपुर की अध्यक्षता में धनूपुर ब्लॉक सभागार में आयोजित की गई।आवश्यक बैठक अमृत महोत्सव व घर घर तिरंगा अभियान के उपलक्ष्य में में रखी गई जिसमें सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।कार्यक्रम प्रभारी सुमित तिवारी जिला नीति एवं शोध प्रमुख भाजयुमो गंगापार प्रयागराज ने बताया कि भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा 10 अगस्त को सुबह 10 बजे से तिरंगा यात्रा सरायपीथा स्वास्थ्य केंद्र से धनूपुर ब्लॉक सभागार तक निकलेगी अधिक अधिक संख्या में लोगों से तिरंगा यात्रा में शामिल होने के लिए अपील किया है।

सीआरपीएफ 93 बटालियन प्रयागराज एवं प्रिम रोज शिक्षा संस्थान ने चलाया हर घर तिरंगा जागरुकता अभियान

प्रयागराज। शनिवार को दोपहर सी.आर.पी.एफ 93 बटालियन, प्रयागराज एवं प्रिम रोज शिक्षा संस्थान,स्टार वेलफेयर सोसाइटी द्वारा हर घर तिरंगा जागरुकता अभियान का आयोजन न्यू स्टार डेयरी खुल्दाबाद चौराहा प्रयागराज में किया गया।खुल्दाबाद चौराहे से होते हुवे रौशनबाग,गुरुद्वारा,सब्जी मंडी में रैली निकाल कर के लोगो को जागरूक किया गया और झंडो का वितरण बड़ी संख्या में किया गया।श्री कुमार सौरव सेकंड इन कमांड, श्री अजय कुमार सहायक कमान्डेंट सीआरपीएफ 93 बटेलियन के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन संस्था के प्रबंधक श्री फरहान आलम, आबिद चौधरी ,सीआरपीएफ के इंस्पेक्टर राजेश कुमार शर्मा के द्वारा किया गया।वही दूसरी ओर आजादी का अमृत महोत्सव को जोश और उत्साह से मनाए जाने के संदर्भ में आम जन मानस को हर घर तिरंगा फैराने के लिए झंडा देकर जागरूक कुमार सौरव सेकंड इन कमांड द्वारा किया गया।करीब 550-650 झंडे का वितरण खुल्दाबाद प्रयागराज के आस पास इलाको के तमाम मोहल्लों में घूम घूम पैदल मार्च कर के वितरण किया गया।आम जनमानस में बहुत उत्साह देखने को भी मिला और लोगो ने संकल्प लिया की अबकी बार हर घर तिरंगा।ये अभियान आगामी 15 अगस्त तक अनवरत जारी रहेगा। कार्यक्रम में मुख रूप से सईद चौधरी, जाकिर अली खान,अमन कुमार,प्रतीक तिवारी, डॉ अतुल कुमार शर्मा,समर आलम, शेख मो इमरान,नमन पांडेय, रुनझुन सिंह, आकांक्षा अग्रवाल,सबा खान, यशस्वी यादव,तौहीद अहमद, अनन्या मिश्रा,अनन्या तिवारी,शिवम दुआ, आदि उपस्थित रहे।वही सीआरपीएफ 93 बटालियन से इंस्पेक्टर विक्रमा सिंह,इंस्पेक्टर रमेश कुमार, इंस्पेक्टर बच्चा लाल पांडेय,सब इंस्पेक्टर घनशेयम,ज्ञानदेवदास,शिवपूजन,विजय कुमार, मो. कमालुद्दीन,भगवती प्रसाद,हवलदार भुनेश्वर,विवेक दिवेदी एवं अन्य कार्मिक।

ग्रामीण बैंक बड़ौदा बड़ोखर बना दलालों का अड्डा

रत्योरा। तहसील क्षेत्र कोरांव के बड़ोखर मे एकलौती बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक की शाखा बना दलालों का अड्डा जहाँ पर काफी संख्या मे हर वर्ग के लोग खाता धारक है । क्षेत्रीय लोगों की बात पर गौर करें तो जबसे नए शाखा प्रबंधक बैंक आये है । तबसे दलालो के माध्यम से अच्छा खासा कमीशन लेकर भैस लोन किसान क्रेडिट कार्ड एस सीसी आदि तरह लोन में जमकर दलालों के माध्यम से वसूली की जा रही है जो उपभोक्ता स्वयं मैनेजर को फाइल देते हैं उनकी फाइल ठंडे बस्ते में रख दी जाती हैं जिससे खाताधारकों में नाराजगी की चर्चा है। बैंक प्रबंधक के द्वारा अधिकतर ऐसे लोगो को ऋण दे रहे हैं रहे रिकवरी करना बहुत कठिन होगा । जिनका खाता ग्राहक सेवा केंद्र मे खुला है उनको शाखा पर जाने पर बिना पैसा दिए वापस कर देते है। आयेदिन पासबुक प्रिंट नहीं की जाती पासबुक की इंट्री आज भी कलम से की जाती है। ग्राहकों के साथ अभद्रता भी की जाती है। जिससे बैंक के प्रति दिनों दिन ग्राहकों का भरोसा खत्म होता जा रहा है आयेदिन बैंक मे पर्याप्त राशि नहीं रहती है ।क्षेत्र के लोगो ने ऐसे शाखा प्रबंधक को अन्यत्र जगह हटाने व नए शाखा प्रबंधक की नियुक्ति करते हुए जांच कार्यवाही की माँग किये है।

उत्तम बने प्रयागराज मंडल रेलवे स्टेशन सलाहकार समिति के सदस्य, व्यापारियों ने दी बधाई

प्रयागराज। राजापुर व्यापार मंडल के कोषाध्यक्ष उत्तम केसरवानी 01 जनवरी 2022 से 31 दिसंबर 2023 तक स्टेशन स्तर पर पुर्नगठन किए जाने के संबंध में प्रयागराज मंडल के स्टेशन सलाहकार समिति उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज सदस्य नामित किए जाने पर व्यापारियों में खुशी की लहर है। प्रयाग व्यापार मंडल , जिला उघोग व्यापार प्रतिनिधि मंडल , सिविल लाइन व्यापार मंडल व राजापुर व्यापार मंडल समेत सभी व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारीओं ने उत्तम केसरवानी को पुष्प गुच्छ देकर अपनी शुभकामनाएं व बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है। बधाई देने वालो में विजय अरोड़ा , कादिर भाई , सुशील खरबंदा , शिवशंकर सिंह ,अखिलेश सिंह , धनंजय सिंह ,नरेन्द्र खेड़ा मान्टू , हिमांशु निक्की गुप्ता, संजय गुप्ता, कृष्ण कुमार केसरवानी, के पी मिश्रा मनोज रोहित केसरवानी समेत बड़ी संख्या में व्यापारियों ने बधाई दी ।

कार्यालय ग्राम पंचायत जगौती वि. ख. करछना प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

वित्तीय वर्ष 2022–23 मे ग्राम पंचायत जगौती विकास खण्ड करछना में कराये जाने वाले विकास कार्यो में मनरेगा, राज्य वित्त/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत अद्योलिखित कार्यो के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 07–08–2022 से दिनांक 19–08–2022 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्ते किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत जगौती में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 20–08–2022 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला 20–08–2022 कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	ग्राम पंचायत जगौती में नया पंचायत भवन निर्माण कार्य	19.82 लाख	3 माह
2.	ग्राम पंचायत जगौती में तालाब संख्या 215 पर अमृत सरोवर निर्माण कार्य	3.85 लाख	3 माह
3.	ग्राम पंचायत जगौती में पंचायत भवन से चन्द्रशेखर विश्वकर्मा के घर तक पक्की नाली निर्माण कार्य	3.00 लाख	3 माह
4.	ग्राम पंचायत जगौती में पंचायत भवन से चन्द्रशेखर के घर इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य	4.00 लाख	3 माह

दीप नारायण पटेल
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत जगौती
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

पत्रांकः मेमो/ग्राम पं. वि. अ./टेण्डर/ कोटेशन/ 2022-23/ दिनांक 06-08-2022

आदित्य पौडवाल
ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत जगौती
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

प्रतापगढ़ के चिकित्सकों ने निकाली तिरंगा यात्रा

आजादी के अमृत महोत्सव मनाने में चिकित्सक ले रहे बढ़ चढ़कर हिस्सा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ में आजादी के अमृत महोत्सव मनाने को जनपद के चिकित्सक भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले रहे है। षनिवार को चिकित्सकों द्वारा अमृत महोत्सव मनाने की कड़ी में आल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन की प्रतापगढ़ इकाई के तत्वाधान में जनपद के जाने माने चिकित्सकों ने नगर के शहीद उद्यान से भारत माता के जयकारे लगाते हाथ में तिरंगा लिए एक विशाल तिरंगा यात्रा अंबेडकर चैराहे तक निकाली।

आइएमए के संरक्षक डॉक्टर ए के कुलश्रेष्ठ ने कहा आजादी के 75 वे वर्ष में मन रहे अमृत महोत्सव से से हमारे राष्ट्र को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर डॉक्टर सोने लाल पटेल मेडिकल कालेज प्रतापगढ़ के प्राचार्य डॉक्टर आर्य देश दीपक ने कहा की आज आजादी के 75 वे वर्ष को आजादी के अमृत महोत्सव के रूप में मनाने का जो गौरव हमे प्राप्त हो रहा उस पर हम सबको गर्व है।

आईएमए के तत्वाधान में निकली यात्रा

तिरंगा यात्रा में शामिल मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा0 आर्य देश दीपक।

इस अमृत महोत्सव के माध्यम से हम सब देश को आजाद कराने में अपने महापुरुषों और उनके कुर्बानियों को याद करेंगे। आईएमए के कोषाध्यक्ष डॉक्टर शिवमूर्ति लाल मौर्य ने कहा की आजादी के इस पर्व को हम सब चिकित्सक साथी हर्षोल्लास के साथ मनाएंगे। इस अवसर पर तिरंगा यात्रा में शामिल होने वाले चकित्सको में डॉक्टर मनोज खत्री, डॉक्टर मनीष सिंह, डॉक्टर आर प्रसाद, डॉक्टर आर पी चैबे, डॉक्टर आर के सिंह, एमडॉक्टर राजेंद्र सिंह, डॉक्टर घनश्याम अग्रवाल, इंडियन डेंटल एसोसियेशन के प्रतापगढ़ के अध्यक्ष डॉक्टर सुधाकर सिंह, अजय सिंह, डॉक्टर अनवर, डॉक्टर अनुराग मिश्र, डॉक्टर एकता द्विवेदी, हिमांशु त्रिपाठी, डॉक्टर अजय शुक्ल, डॉक्टर विनय सिंह, डॉक्टर देवांशू ओझा, डीपीएम राजशेखर, भाजपा के जिला उपाध्यक्ष गोकुल नाथ श्रीवास्तव और रोटरी क्लब के पदाधिकारीगण आदि मौजूद रहे।

बैंक में आग लगने से लाखों का सामान जलकर खाक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। कुंडा तहसील इलाके के कमासिन बाजार स्थित बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा में भीषण आग लग गई। आग लगभग सुबह 5 बजे के बाद की बाद की बताई जा रही है। आग लगने का कारण प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट लगाया जा रहा है।

आग लगने पर मौके पर कमासिन बाजार के निवासियों ने बैंक परिसर से धुंआ उठता देख सबसे पहले डायल 112 और बाघराय पुलिस को दी सूचना। उसके बाद बैंक कर्मचारियों और फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। मौके पर सबसे पहले डायल 112 पहुंची उसके बाद बाघराय इंस्पेक्टर अवन कुमार दीक्षित पूरे दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। बैंक कर्मचारी के पहुंचने पर बैंक के गेट का खुल पाया ताला जिसके बाद मौके पर मौजूद क्षेत्रीय लोगों ने आग पर किसी तरह से काबू पाया। आग बुझने के कुछ देर बाद मौके पर फायर ब्रिगेड की गाडियां भी पहुंची लेकिन तब तक आग पर काबू पा लिया गया था। बैंक मैनेजर मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि दो सिस्टम, स्कैनर, पासबुक प्रिंटर, नोट काउंटिंग मशीन, दो काउंटर सहित लाखों का नुकसान हुआ है।

निःशुल्क प्रिकॉशन डोज कैम्प का आयोजन आज

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 जी0एम0 शुक्ला ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव (75वीं वर्षगांठ) के अवसर पर कोविड-19 महामारी के बढ़ते मामलों को देखते हुये उ0प्र0 सरकार द्वारा निःशुल्क प्रिकॉशन डोज लगाने की व्यवस्था की गयी है। इस हेतु जनपद में 07 अगस्त 2022 को महाअभियान के अन्तर्गत नगरीय क्षेत्र में अजीत नगर अर्बन सेन्टर, जिला महिला चिकित्सालय, जिला पंचायत, संत निरंकारी आश्रम पड़ाव वार्ड, सद्दाम हुसैन वकील के घर, ओल्ड रिवर डेल स्कूल स्टेशन रोड सहोदरपुर, बाबा मेडिकल स्टोर चिलबिला, पल्टन बाजार, सभासद के अवास पर तथा सभी सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं हेल्थ वेलनेस सेन्टर पर टीकाकरण की व्यवस्था की गयी है। उन्होने जनपदवासियों से कहा कि अपने परिवार के 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को जिन्हें पूर्व में 02 डोज लग गई है तथा दूसरी डोज के बाद छः माह का समय व्यतीत हो गया है वे लोग ज्यादा से ज्यादा संख्या में 07 अगस्त 2022 दिन रविवार को टीकाकरण केन्द्रों पर पहुॅचकर टीकाकरण करावें एवं महामारी से बचें।

लायंस क्लब द्वारा मनोरथम स्कूल में राखी बनाओ प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। लायंस क्लब प्रतापगढ़ हर्ष द्वारा मीराभवन स्थित मनोरथम स्कूल में 1 से 8 तक के बच्चों द्वारा राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ राखी बनाने वाले बच्चों में अदिति सिंह, प्रज्ञा, अभिनव, आदर्श, दिलीप ,शिवम शाहबाज, शिवांश, दिव्यांश, राजीव, आराध्या, यश, अकरम, समीक्षा आदि बच्चों को क्लब द्वारा उपहार व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष अश्वनी सिंह ने बताया कि बच्चों द्वारा बनाई गई यह राखी बॉर्डर पर तैनात हमारे सेना के जवानों को भेजी जाएगी कार्यक्रम में मुख्य रूप से क्लब के कोषाध्यक्ष कुँवर बहादुर सिंह,रीजन चेयरपर्सन डॉ क्षितिज श्रीवास्तव, संदीप स्कूल के डायरेक्टर संगीता सिंह ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत व आभार व्यक्त किया कार्यक्रम में प्रिंसिपल अमिता सिंह, नेहा श्रीवास्तव, प्रीति कौर, मोनिका सिंह, नीलम पांडे उर्मिला सिंह, श्रद्धा, जैनब, प्राची, ज्योति खुशबू आदि लोग मौजूद रहे।

भूमिधरी जमीन तथा पुश्तैनी मकान पर जबरन कब्जे की शिकायत

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। समाधान दिवस पर एक महिला ने विपक्षियों द्वारा उसके पुश्तैनी मकान तथा भूमिधरी जमीन पर अवैध कब्जा करने की शिकायत किया है। पट्टी तहसील क्षेत्र के धूति गांव की रहने वाली शालू शुक्ला पुत्री विजय शुक्ला ने शिकायती पत्र देकर बताया कि वह अपने ननिहाल में रहती है। उसके नाना की मौत के बाद उसकी मां के नाम पर वसीयत उसके नाना ने किया था लेकिन विपक्षी जबरन उसके पुश्तैनी मकान पर कब्जा करके उसकी भूमि जमीन को कब्जा कर रहे हैं पीड़ित महिला ने इस संबंध में शिकायती पत्र दिया है।

वृद्धावस्था पेंशन के लाभार्थी पेंशन से कराएं आधार लिंक

प्रतापगढ़। जिला समाज कल्याण अधिकारी राजीव कुमार ने बताया है कि राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के जिन लाभार्थियों की पेंशन आधार से लिंक नहीं है वह लाभार्थी अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक व मोबाईल नम्बर के साथ विकास भवन कमरा नम्बर 45-46 में सम्पर्क कर पेंशन से आधार लिंक करा लें। वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त न होने पर मोबाईल नम्बर 9695466143 पर आधार कार्ड, बैंक पासबुक व्हाट्सएप करके जानकारी प्राप्त की जा सकती है। पेंशन से आधार लिंक नहीं होने पर वृद्धावस्था पेंशन प्राप्त नहीं होगी।

नगर के विस्तारित क्षेत्र में होगा समुचित विकासः प्रेमलता

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर पालिका परिषद बेला प्रतापगढ़ के विस्तारित क्षेत्र में पांच प्रमुख स्थानों पर रूपापुर काली मंदिर के पास, देवकली व्यायामशाला के पास, आवास विकास एग्रो के सामने पार्क में, ईश्वर नाथ पुरवा शिवाला धाम तथा गाय घाट रोड साकेत कॉलेज के सामने हाईमास्ट का लोकार्पण नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष प्रेमलता सिंह द्वारा किया गया।

नपा के पांच विस्तारित क्षेत्र में हुआ हाईमास्ट का लोकार्पण

पूजन अर्चन करतीं नगर पालिका अध्यक्षा प्रेमलता सिंह व पूर्व अध्यक्ष हरिप्रताप सिह।

लोकार्पण का कार्य विधिवत पूजन से प्रारंभ किया गया। रूपापुर में लोकार्पण स्थल पर स्थानीय संभ्रांत नागरिकों का अभिनंदन भी किया गया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि विस्तारित क्षेत्र में प्रकाश व सफाई की व्यवस्था की जा रही है। निकट भविष्य में इतने विकास कार्य किए जाएंगे कि जनता अपने आप को शहरी बताएगी। विस्तारित क्षेत्र में नाली, सड़क, सफाई व विद्युतीकरण कार्य से पूर्ण रूप से संतृप्त दिखेगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक सदर व पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष हरिप्रताप सिंह द्वारा बताया गया कि रुपापुर क्षेत्र हमारे हृदय में बसता है इसको आदर्श वार्ड के रूप में स्थापित किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुरेंद्र कुमार शर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में राजकमल शर्मा, रूप नारायण शर्मा, अशोक शर्मा तथा सभासद ज्ञानेश मिश्रा, गायत्री शुक्ला, अंशु श्रीवास्तव, मधु इत्यादि लोग उपस्थित रहे। रवि शंकर मिश्र द्वारा लोक गायन का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया व अशोक शर्मा द्वारा भजन व गायन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन ज्ञानेश मिश्रा वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम में नगरपालिका के सफाई एवं खाद्य निरीक्षक डॉ. संतोष कुमार सिंह, राजस्व निरीक्षक लाल बहादुर, मिथिलेश सिंह, ओम प्रकाश शुक्ला, अमरेश सिंह रोडगैंग के राजीव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

न्यू एंजिल्स में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने नृत्य व गीत में बिखेरा अपनी प्रतिभा का जलवा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। न्यू एंजिल्स सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल की प्राइमरी विंग में आजादी के अमृत महोत्सव सप्ताह में नन्हे मुन्ने, बच्चों द्वारा सावन का त्योहार धूम धाम से मनाया गया। इस दौरान छात्रा आख्या, नीति, नियति, माहिरा, अदिति, इन्नमा, अनन्या, कृष्णा और अथर्व आदि ने सावन के गीत गाये।

कजरी गीत चूड़ी भी जिद पे आई गीत पर अग्रता, रिद्धि, दीप्ति, पूर्वी, सोनाक्षी, स्वाति, सनाया, श्रेया, आस्था और अरीशा आदि ने नृत्य किया और कलर के माध्यम से वृक्ष बनाकर अपनी चित्रकला का प्रदर्शन किया। कक्षा 5 के अभिषेक, आत्रेय, शुभ्रा और शादान आदि ने श्रवण कुमार नाटक का मंचन किया। कार्यक्रम की संयोजक एफ जीनत (मैनेजर एच आर) ने बताया कि पुस्तकीय ज्ञान के साथ साथ समय समय पर इस तरह के कार्यक्रम विद्यालय में हमेशा कराये जाते हैं। इससे बच्चों को अपनी परंपरा का ज्ञान होता है और उनमें अच्छे संस्कार उत्पन्न होते हैं। कार्यक्रम में वीना मिश्रा, नेहा श्रीवास्तव, ज्योति त्रिपाठी आदि अध्यापकों का विशेष सहयोग रहा। अंत में प्रबधक डॉ शाहिदा ने सभी छात्र एवं छात्राओं को सावन की बधाई दी और आजादी के अमृत महोत्सव में घर घर तिरंगा का संदेश दिया।

सावन के गीतों से गुंजायमान हुआ स्कूल

सावन की वेषभूषा में सजी स्कूली छात्राएं।

ससुरालीजनों ने विवाहिता को घर से पीट कर भगाया

पट्टी, प्रतापगढ़। प्रेम विवाह करके अपने घर पर पत्नी को लाने वाले पत्नी उसे दहेज के लिए घर से मारपीट कर भगा दिया। पीड़ित महिला ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में शिकायती पत्र देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के गांव की रहने वाली रेनू देवी पत्नी सनी ने शिकायती पत्र देकर बताया कि 10 साल पहले उसका पति प्रेम विवाह करके उसे घर आया था। अब उससे वह दहेज की मांग कर रहा है। पीड़ित महिला ने बताया कि उसके तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं। शनिवार को उसका पति उसे घर से मारपीट कर भगा दिया जाते वक्त उसकी सास अनारा देवी उसे जान से मारने की धमकी दिया पीड़ित महिला ने पट्टी कोतवाली में शिकायती पत्र देकर मामले में इंसाफ की गुहार लगाई है।

व्यापारी के घर लाखों के सामान की चोरी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बाबागंज स्थित गुरु नानक शाही गुरुद्वारा परिसर के अंदर स्थित सरदार महेंद्र सिंह के घर बीती रात चोरों ने लाखों के सामान पर हाथ साफ कर दिया। महेन्द्र सिंह उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल प्रतापगढ़ के जिला संगठन मंत्री हैं।

वे बीती जब घर आए तो आगे का मेन गेट खोलना चाहा, परंतु वह नहीं खुला, जिस पर अपने पिता सरदार महेंद्र सिंह से बगल के दूसरे दरवाजे के गेट की चाभी मंगाकर खोल कर अंदर प्रवेश करने पर देखा कि मेन गेट अंदर से बंद था और अंदर के कमरों के ताले टूटा एवं घर का सारा सामान तितर-बितर फैला था। उन्होंने बताया कि लगभग नई 15 से 20 महंगी साड़ियां, 8 से 10 महंगे सूट, घर की पीतल की टोलियां, एक बक्सा कपड़ों से भरा सूटकेस, आधार कार्ड, एटीएम कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, वोटर आईडी, सीसीटीवी कैमरा और लगभग नगदी 25000 को मिलाकर औसतन एक लाख रु की चोरी हुई है। मामले की तहरीर पुलिस को दी गई है। पुलिस जांच कर रही है। इस सम्बन्ध में जिलाध्यक्ष राजेन्द्र केसरवानी ने घटना पर क्षोभ जताते हुए अधिकारियों से मांग की है कि इस चोरी का शीघ्र खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए।

सर्पदंश से महिला की हुई मौत

अखंड भारत संदेश

बाघराय, प्रतापगढ़। बाघराय के मंलावाछजईपुर गांव निवासिनी श्यामा देवी (40) वर्ष पत्नी पुरुषोत्तम तिवारी बीते गुरुवार की देर शाम अपने घर में कुछ सामान ढूंढ रही थी तभी चावल की बखार के पास बैठे सर्प ने डस लिया आनन-फानन में परिजन इलाज हेतु सीएचसी ले गए जहां डॉक्टरों ने रेफर कर दिया जिला चिकित्सालय ले जाते समय रास्ते में ही श्यामा देवी की मौत हो गई। श्यामा देवी की मौत हो जाने से पति पुरूषोत्तम तिवारी जहां व्यथित हो गये हैं, वही चेन्नई में एयरफोर्स में तैनात बेटा प्रदुम्न तिवारी, शिवम, दिवस एवं बेटी नीलू नान्ह व कोमल का रो रो कर बुरा हाल है। प्रधानपति मंलावां छजयीपुर सिद्धनाथ यादव ने श्यामा देवी की मौत पर गहरा दुख जताया है।

नाली की सफाई ने होने से लोग परेशान

ग्रामीणों ने समाधान दिवस में की शिकायत

वार्ड नगर नंबर-10 में गंदगी से बजबजाती नाली।

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी नगर के वार्ड नगर नंबर 10 में नाली बजबजा रही है, जिससे गंदगी फैलने के साथ बीमारियों के पनपने का खतरा बना हुआ है। इस संबंध में कई बार अधिशासी अभियंता से लेकर जनप्रतिनिधियों से शिकायत हुई लेकिन परिणाम सिफर रहा। अब नगर वासियों ने संपूर्ण समाधान दिवस पर इसकी शिकायत किया है।

पट्टी नगर के वार्ड नंबर 10 में बनी हुई नाली ऊपर बिछाया गया पत्थर टूट चुका है। नाली की साफ सफाई ना होने से पानी सुचारू रूप से पानी नगर से बाहर निकल नहीं पाता है। बरसात के सीजन में पानी अधिक होने के कारण नाली का पानी जब निकल नहीं हो पाता है, तो गंदा पानी सड़क पर बिखर जाता है। कोठियार गली में प्रवेश करने पर अगर कोई अजनबी व्यक्ति वहां से गुजरे तो दुर्घटना का शिकार हो सकता है। जहां एक तरफ शासन प्रशासन संचारी रोगों से बचाव के उपाय के लिए तमाम प्रकार की कवायद कर रहा है। वही वार्ड नंबर 10 की गंदगी के कारण मच्छर पनप रहे हैं। नाली की साफ सफाई ना होने और नाली के ऊपर रखी गई पत्थर के टूटने के कारण लोगों के घर का पानी बाहर नहीं निकल पा रहा है, जिससे लोगों का जीना दूभर हो गया है। पूर्व सभासद रामचरित्र वर्मा का कहना है कि बजबजाती हुई नालियों से काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है तो नगरवासी दिनेश वर्मा का कहना है कि शिकायत के बाद भी जिम्मेदारों पर कोई असर नहीं होता है।

नगर वासियों ने इसकी शिकायत पूर्व सभासद पूनम श्रीवास्तव से किया तो उन्होंने संपूर्ण समाधान दिवस पर जिला अधिकारी की उपस्थिति में शिकायती पत्र दिया इस पर संपूर्ण समाधान दिवस में अधिशासी अभियंता को जल्द से जल्द नाली की सफाई करने का निर्देश दिया गया।

सरस्वती शिशु मंदिर में पदाधिकारियों को दिलाई गई शपथ

प्रतापगढ़। सरस्वती शिशु मंदिर चिलबिला में पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि आरोग्य भारती के प्रांत उपाध्यक्ष व आयुष चिकित्सालय फेनहा के चिकित्सक डा0 रंगनाथ शुक्ल मौजूद रहे। इस दौरान अतिथि द्वारा अथर्वदेव सिंह, कौशिकी तिवारी, उत्कर्ष चौरसिया, आयुष कनौजिया, अजय पाण्डेय, आदित्य सोम, श्रीकृष्ण तिवारी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर प्रधानाचार्य ने सभी के प्रति आभार जताया।

हर घर तिरंगा लगाने के लिये सपाईयों ने की बैठक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। समाजवादी पार्टी कार्यालय मीराभवन पर मासिक बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता नि.जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव व संचालन नि. जिलामहासचिव अब्दुल कादिर जिलानी ने किया। बैठक में मुख्य एजेंडा 9 अगस्त से 15 अगस्त तक तिरंगा यात्रा निकालकर हर घर तिरंगा लगाने व समाजवादी पार्टी सदस्यता अभियान को गतिशील बनाने के कार्यक्रम पर सभी वक्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर विधायक डॉ. आर.के.वर्मा, पूर्व विधायक नागेंद्र सिंह मुन्ना यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष सियाराम यादव, भींयाराम पटेल, गुलफाम खां, प्यारे लाल खैरा, अश्विनी सोनी, पप्पू यादव, जगदीश मौर्या, आशुतोष पाण्डेय, इरफान खान, डॉ.रामबहादुर पटेल, डॉ. शेरबहादुर यादव, रामबचन यादव, रमेश यादव, सत्यनारायण यादव, मनीष पाल, मो.समीम पूर्व प्रमुख, निसार अहमद, सुरेश यादव, लालबहादुर यादव, पंकज शर्मा, सुधीर श्रीवास्तव, रामधन यादव, प्रकाशचंद उपाध्याय, अभिषेक तिवारी, हरीश शुक्ला, चन्दन सिंह, अमित सिंह, लल्लू सिंह, राजेश यादव, फिरोज खां, सिराजुलहक, अमीरूल हक, अब्दुल हई, फारुक खान, विजय शुक्ला, संतोष यादव, बृजेश यादव, बीरू पासी, वासिक खान, उमेश पाल आदि लोग उपस्थित रहे।

सपा की मासिक बैठक में बोलते पदाधिकारी।

जिले को सूखाग्रस्त घोषित को लेकर वकीलों ने सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिले को सूखाग्रस्त घोषित किये जाने की मांग को लेकर अधिवक्ताओं ने सीएम को संबोधित ज्ञापन सीआरओ राकेश सिंह को सौंपा। संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश व महामंत्री शेष तिवारी की अगुवाई मे दिये गये ज्ञापन मे कहा गया है कि मानसून सत्र में पर्याप्त बारिश न होने से छोटे तथा मध्यम गरीब किसानों की धान की फसल को नुकसान पहुंचा है। छिटपुट बारिश के चलते धान की फसल का उत्पादन न के बराबर होने की स्थिति है। ज्ञापन में कहा गया है कि राजस्व विभाग से आंकलन कराते हुए राज्य सरकार विशेष टीम भेजकर नुकसान का जायजा ले। वहीं प्रतापगढ के लालगंज तहसील क्षेत्र के किसानों को आर्थिक पैकेज दिये जाने की भी ज्ञापन मे मांग उठाई गयी है। ज्ञापनदाताओं में उपाध्यक्ष बीके तिवारी, विपिन शुक्ल, केबी सिंह, आशुतोष शुक्ल, हरकेश पटेल, विनय शुक्ला, संतोष पाण्डेय, राम अभिलाष यादव, शैलेन्द्र सिंह आदि अधिवक्ता रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में महज सात शिकायतों का हुआ निस्तारण

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। सम्पूर्ण तहसील समाधान दिवस में एक सौ तीस शिकायतों मे से अफसरों ने सात शिकायतों का निस्तारण किया। मुख्य राजस्व अधिकारी राकेश सिंह ने शिकायतों की सुनवाई करते हुए फरियादियों को समाधान कराए जाने का भरोसा दिलाया। मुख्य राजस्व अधिकारी ने मातहतों को समाधान दिवस मे आयीं शिकायतो को लेकर मौके पर निष्पक्ष निस्तारण कराये जाने को कहा। सर्वाधिक शिकायतें राजस्व की सत्तर, पुलिस तीस, विकास आठ, समाज कल्याण दो, बेसिक शिक्षा एक तथा अन्य विभागों की उन्नीस रही। पुलिस से जुडी शिकायतों की सुनवाई सीओ रामसूरत सोनकर ने की। समाधान दिवस में एसडीएम सौम्य मिश्र, तहसीलदार धीरेन्द्र प्रताप सिंह, बीडीओ लालगंज एके सोनकर आदि रहे।

शहर की अंजुमनों ने निकाला मोहर्रम की सातवीं का जुलूस

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मोहर्रम कमेटी के तत्वावधान में अंजुमन आषिकाने रसूल, मीम व्यायज, अंजुमान गुलामाने मुस्तफा, अंजुमन रजा ए हुसैन की सदारत में मोहर्रम की सातवीं का जुलूस अपनी शानो शौकत के साथ खुशखुषवापुर बुड्ढा ताजिया इमामबाड़ा से निकाला गया। जुलूस भंगवा चुंगी, टक्करगंज, पुराना माल गोदाम रोड, तहसील, पंजाबी मार्केट, फलमण्डी गेट शाही इमामबाड़ा होते हुए चैक घंटाघर पहुंचा जहां अंजुमन रजा ए हुसैन भी जुलूस में शामिल हुआ, जिसमें मीम ब्यायज के बच्चे अलम शरीफ, बुर्राक और नगाडे. लेकर चल रहे थे। इस दौरान 72 शहीदों को याद किया गया और उनके गम में नोहा पढ़ते हुए जुलूस निकाला गया। इस मौके पर जिला मोहर्रम कमेटी के अध्यक्ष हैदर अली, उपाध्यक्ष फरीद आलम, अंजुमन आषिकाने रसूल के प्रबंधक इरषाद सिद्दीकी, अध्यक्ष रेहान फजल, अषरफ अली, सैफ अली खां, अरषद अली, साजिद, आबिद रजा, निसार अहमद, मेराज खां, मो0 सलमान आदि मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

मंझनपुर में प्लाट खरीदने वाला उपनिरीक्षक कौन !

कौशांबी। पुलिस विभाग में काली कमाई से अकूत संपत्ति अर्जित करने वाले एक उपनिरीक्षक ने जनपद मुख्यालय मंझनपुर में प्लाट खरीदना शुरू कर दिया है जनपद मुख्यालय मंझनपुर की कॉलोनी क्षेत्र में लाखों कीमत का उप निरीक्षक ने कुछ महीने पहले प्लाट खरीदा है चचाओं पर जाए तो अपने निवास क्षेत्र सहित कई स्थानों पर उक्त उपनिरीक्षक ने कई जमीन प्लाट खरीद लिया है पुलिस विभाग में कुछ वर्षों की नौकरी में लग्जरी कार बैंक बैलेंस आलीशान मकान सहित अकूत संपत्ति का धनी उपनिरीक्षक बन चुका है आखिर उपनिरीक्षक के पास अकूत संपत्ति का क्या राज है बताया जाता है कि यह उपनिरीक्षक मंझनपुर सर्किल क्षेत्र और सिराथू सर्किल क्षेत्र में पहले ड्यूटी कर चुका है और इन दिनों चायल सर्किल क्षेत्र की एक पुलिस चौकी में उप निरीक्षक ड्यूटी कर रहे हैं क्षेत्र के लोगों ने उप निरीक्षक की अकूत संपत्ति के मामले में विभागीय जांच कराए जाने और दोषी उपनिरीक्षक को दंडित किए जाने की मांग की है।

समाधान दिवस पर फरियादियों की उमड़ी भीड़ बयां कर रही है चौपट न्याय व्यवस्था की कहानी

जिलाधिकारी ने कहा शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न किये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी को दी जायेंगी प्रतिकूल प्रविष्टि

अखंड भारत संदेश

समाधान दिवस में सुनवाई करते डीएम एसपी व अन्य

कौशाम्बी। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर शनिवार को जनपद के सभी तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी सुजीत कुमार एवं पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा ने तहसील सिराथू में आम-जन की समस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को समयान्तर्गत एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारित करने के निर्देश दियें। उन्होनें राजस्व से सम्बन्धित शिकायतों पर राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम को मौके पर जाकर निस्तारित करने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस एवं आई0जी0आर0एस0 के तहत प्राप्त शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकताओं के आधार पर निस्तारित किया जाय। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण निस्तारण न किये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी को प्रतिकूल प्रविष्टि दी जायेंगी। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 105 शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 05 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। समाधान दिवस में शिकायतकर्ता रामकरन निवासी, वार्ड नं0-04 मढ़ियामई नगर पंचायत अझुवा द्वारा प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया गया कि दबंग व्यक्ति द्वारा उनकी भूमिधरी खेत पर जबरन कब्जा कर मेड़ बनाई जा रही है, जिस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सिराथू को प्रकरण की जॉच कराकर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। इसी प्रकार शिकायतकर्ता सुरेश चन्द्र निवासी ग्राम-गिरधरपुर द्वारा प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया गया कि वर्ष-2014-15 में हदबन्दी करवाई गयी थी तथा दबंग व्यक्ति द्वारा मेड़ तोड़कर जबरन भूमिधरी पर कब्जा किया जा रहा है, जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सिराथू को प्रकरण की जॉच कराकर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये है।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 सुषेन्द्र कुमार एवं जिला विकास अधिकारी विजय कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित थे।

न्यूज झरोखा

टेवा में जल्द बनेगा गोबर गैस प्लांट : नोडल अधिकारी

पश्चिम शरीरा कौशाम्बी। उत्तरप्रदेश सरकार के जनपद कौशाम्बी के नोडल अधिकारी देवेंद्र पाण्डेय द्वारा टेवा गौशाला का निरीक्षण किया गया उन्होंने गौशाला की व्यवस्था को देख कर प्रशंसा की नोडल अधिकारी के द्वारा टेवा में गोवर्धन योजना के तहत गोबर गैस प्लांट लगाने के लिए निर्देश दिए साथ में मुख्य विकास अधिकारी डॉ रवि किशोर त्रिवेदी ,ग्राम प्रधान विद्वन देवी, पशु चिकित्सा अधिकारी व खंड विकास अधिकारी मंझनपुर मौजूद रहे।

जुलूस मार्ग का डीएम एसपी ने किया गया स्थलीय निरीक्षण

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार एवं पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा द्वारा शनिवार को आगामी मोहर्रम त्यौहार को सकुशल एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु विकास खण्ड मूरतगंज के ग्राम-कसिया पूर्व में जुलूस मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण जुलूस मार्ग का निरीक्षण करते हुए अधिशासी अभियंता विद्युत को बिजली के लटकते तारों को ठीक कराने के निर्देश दियें। इसके साथ ही उन्होंने जुलूस मार्गों की साफ-सफाई की भी समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये।

मेहता महाविद्यालय द्वारा निकाली गई हर घर तिरंगा जागरूकता रैली

भरवारी कौशाम्बी। भवन्स मेहता महाविद्यालय भरवारी में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा 'हर घर तिरंगा' अभियान को घर घर तक पहुचाने के लिए जागरूकता रैली निकाली गयी। जागरूकता रैली को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर प्रबोध श्रीवास्तव ने कहा कि 75वें स्वतंत्रता दिवस को खास बनाने के लिए सरकार की तरफ से काफी वृहद स्तर पर कार्यक्रम चलाया जा रहा है,उसी कार्यक्रम की एक कड़ी है 'हर घर तिरंगा'अभियान। उन्होंने स्वयंसेवको को यह बताया कि किस तरह वे राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य को निभाकर समाज को एक नई दिशा दे सकते हैं।इसके साथ ही साथ उन्होंने महाविद्यालय में 11 से 17 अगस्त तक होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की भी चर्चा की।महाविद्यालय के सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रभारी प्रोफेसर श्वेता यादव ने महाविद्यालय में आयोजित होने वाले कार्यक्रम के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला।राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमाधिकारी डॉ0 धर्मेन्द्र कुमार अग्रहरी ने स्वयंसेवको को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग अपने आस पास जितने भी लोग रहते हैं उनको सरकार द्वारा चलाये गए 'हर घर तिरंगा 'अभियान में अपना सहयोग देने के लिए जागरूक करें।जागरूकता रैली में प्रोफेसर विवेक कुमार त्रिपाठी 'निराला',डॉ०राहुल राय आदि लोग उपस्थित रहे।

हफ्तों बाद भी नहीं आते हैं हेल्थ एंड वैलनेस के कर्मचारी

हर्रायपुर कौशाम्बी। मूरतगंज ब्लाक के अंतर्गत बसेड़ी ग्राम सभा में बना हुआ हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर से हफ्तों भर से वहां के कर्मचारी गायब रहते हैं जिससे हमेशा हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर में ताला लगा रहता है सेंटर में ताला लगा रहने से ग्रामीणों को काफी समस्या होती हैं वही का उप केंद्र भवन बसेड़ी एकदम जर्जर हो चुका है उसमें भी हमेशा ताला लगा रहता है ना पेंटिंग कराया गया ना ही दुबारा उस में मरम्मत करवाई गई सवाल उठता है कि वहां के सरकारी कर्मचारी क्या घर बैठे सैलरी ले रहे हैं क्या आम जनता के टैक्स से पैसा लिया गया योगी सरकार ने ऐसे सरकारी कर्मचारी को रखें है जिनसे ना ही जनता को कोई लाभ हो रहा है और ना ही सरकारी व्यवस्था संचालित हो पा रही है घर बैठे सरकारी कर्मचारी वेतन ले रहे हैं सरकारी संस्थान में ताला बंद कर गायब रहने वाले कर्मचारियों का अभी तक वेतन नहीं रोका गया है ड्यूटी से गायब रहने वाले कर्मचारियों पर अभी तक विभागीय कार्यवाही भी नहीं हुई है बसेड़ी ग्राम सभा के उप केंद्र में किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है ऐसे जर्जर भवन की दोबारा मरम्मत ना करवाना सरकारी कर्मचारियों की बड़ी लापरवाही देखी गई।

भरवारी कस्बे में घूमी घर-घर तिरंगा रैली...

भरवारी कौशाम्बी। अमृत महोत्सव योजना के अंतर्गत घर-घर तिरंगा की जागरूकता को लेकर भरवारी कस्बे में तिरंगा यात्रा रैली निकाली गई है रैली को जिला पूर्ति अधिकारी अमित कुमार तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया है इंडियन गैस एजेंसी से शुरू हुई तिरंगा रैली नगर क्षेत्र में घूमी है और नगर वासियों को घर में तिरंगा झंडा लगाने की अपील की है इंडियन गैस एजेंसी में आयोजित अमृत महोत्सव कार्यक्रम में जिला पूर्ति अधिकारी अमित कुमार तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना करने के बाद हर घर तिरंगा फहराने की लोगों से अपील की है इस मौके पर कौशाम्बी इंडियन गैस के मालिक की ओर से पूरे जिले के गैस व पेट्रोल उपभोक्ताओं से हर घर तिरंगा फहराने की अपील की गई तत्पचात गैस एजेंसी के मालिक मोनू केशरवानी ने रैली में शामिल हुए अतिथियों को जलपान कराकर स्वागत किया।

विषैले जंतु ने डसा अधेड़ की मौत

सरकारी नुमाइंदों से प्रधानमंत्री आवास मांगते मांगते गरीब सीताराम की हो गई मौत

अखंड भारत संदेश

अधेड़ की मौत के बाद लगा ग्रामीणों का मजमा

मृतक अधेड़ की झोपड़ी

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के धमसेडा गांव निवासी सीताराम अपनी पत्नी और बच्चों के साथ गांव के बाहर घासफूस की झोपड़ी डालकर जीवन यापन कर रहे हैं तमाम सरकारी कॉलोनी गरीबों को मिलने के बाद गरीब सीताराम को सरकारी नुमाइंदे एक प्रधानमंत्री आवास नहीं दे सके वह बार-बार अधिकारी से लेकर नेताओं की चौखट तक प्रधानमंत्री आवास पाने को दौड़ लगाता रहा वह गांव के बाहर बाग में बनी अपनी घासफूस की झोपड़ी में परिवार सहित जीवन के दिन गुजार रहा था शुक्रवार को रात 8 बजे सीताराम खेत की ओर से शौच क्रिया कर वापस झोपड़ी लौट रहा था रास्ते मे जहरीले जंतु ने उसे डंस लिया है परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल ले गए लेकिन चिकित्सकों ने सीताराम को मृत घोषित कर दिया है मामले की सूचना पुलिस को दी गई है मौके पर पुलिस पहुंची है सीताराम की मौत के बाद उनकी पत्नी बेटों के सामने जीविकोपार्जन की समस्या उत्पन्न हो गई है गरीबी के चलते खेत नहीं है रहने के लिए मकान नहीं है खाने के लिए अनाज नहीं है सीताराम की मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा है पूरे जीवन आवास की मांग करने के बाद भी सीताराम को सरकारी आवास नहीं मिल रहा है सीताराम को उसके जिंदा रहते हुए सरकारी नुमाइंदे प्रधानमंत्री आवास नहीं दे सके हैं सीताराम की मौत के बाद प्रधानमंत्री आवास की हकीकत खुल गई है अब उसकी मौत के बाद भी उसके घर पर मदद करने का ढकोसला करने वाले माननीय उनके प्रतिनिधि और अधिकारी नहीं पहुंच सके हैं मरने के बाद क्या सीताराम के परिवार को सरकारी नुमाइंदे कॉलोनी प्रधानमंत्री आवास दे कर उसकी आत्मा को शांति प्रदान करेंगे या फिर प्रधानमंत्री आवास की मांग करते करते गरीबों की मौत होती रहेगी और अपात्र योजना का लाभ उठाते रहेंगे।

वृद्ध पर हमला कर साड़ ने उतारा मौत के घाट

आबादी क्षेत्र में घूम रहे हैं खूंखार आवारा सांड मौत का जिम्मेदार कौन

साड़ के हमले से मृतक वृद्ध

कौशांबी। योगी सरकार में बीमार कमजोर पशुओं को गौ संरक्षण केंद्र में रखा जाता है और बलशाली खूंखार आवारा साड़ पशुओं को आबादी में खुला छोड़ दिया जाता है जिससे आम जनता पर सांड के हमले बढ़ गए हैं कोखराज कोतवाली क्षेत्र के निन्धियावा गांव में शनिवार को एक वृद्ध पर खूंखार आवारा सांड ने हमला बोल दिया है सांड के हमले से वृद्ध की मौत हो गई है वृद्ध की मौत होते ही परिवार में कोहराम मच गया है मामले की सूचना पुलिस को दी गई है पूरे जिले के गांव क्षेत्र नगर क्षेत्र में बलशाली खूंखार आवारा साड़ की बाढ़ आ गई है और आवारा सांड आम जनता पर हमला कर रहे हैं बार-बार शिकायत के बाद आवारा साड़ को गौ संरक्षण केंद्र नहीं पहुंचाया जा रहा है आखिर आवारा साड़ से हो रही मौत का जिम्मेदार कौन है इसका उत्तर सरकार से लेकर अधिकारियों के पास नहीं है।

जलसा ए शोहदा ए इस्लाम व शोहदा ए कर्बला

कौशाम्बी। जमीयत उलेमा जिला कौशांबी के जेरे एहतेमाम चलने वाला पन्द्रह रोजा प्रोग्राम (बउनवान शोहदा ए इस्लाम व शोहदा ए कर्बला) का छट्ठा जलसा दौलत पुर गांव की बड़ी मस्जिद में बाद नमाजे इशा जनाब हाफिज व कारी अलाउद्दीन साहब की सदारत में मुनअकिद हुवा प्रोग्राम का आगाज हाफिज व कारी अलाउद्दीन साहब की तिलावत ए कलाम पाक से हुआ और मुफ्ती उबेदुल्ला साहब ने बारगाह ए रिसालत में नजराना ए अकीदत पेश किया और निजामत के फराएज भी हजरत मुफ्ती साहब ने अंजाम दिया और फिर हजरत मौलाना मुफ्ती ओबैदुल्ला साहब नदवी सचिव जमीयत उलेमा जिला कौशांबी ने सीरत नबवी स. और खुलफा ए राशिदीन की सीरत और यौम ए आशूरा की अहमियत व फजीलत पर रोशनी डालते हुए कहा के अगर नबी के बाद किसी का मकाम व मर्तबा है तो अबूबकर सिद्दीक र. का है हजरत अबू बकर सिद्दीक र. न होते तो यह उम्मत गुमराह हो जाती और आप स. ने फरमाया के मेरे बाद अगर कोई नबी होता तो उमर र.होते और तारीख के हवाले से आशूरा के दिन के मुताल्लिक बताया इसी दिन हजरत मूसा अलैहिस्सलाम और उनकी कौम को फिरौन और उसके लोगों से निजात मिली थी और उस दिन वह लोग रोजा रखते थे तो आप स. ने फरमाया के हम भी रोजा रखें गे लेकिन यहूद की मुखालफत में 1 दिन आगे या पीछे का मिलाकर और उस दिन अपने अहलो अयाल पर खाने के एतबार से ज्यादा खर्च करें और मौलाना ने हालात ए हाजरा पर रोशनी डालते हुए कहा के आज हम नबी का नाम तो लेते हैं लेकिन नबी के तरीके को नहीं अपनाते आज हम गैरों के तरीके के मुताबिक जिंदगी गुजारते हैं इसके बाद मौलाना मुफ्ती मोहम्मद मुरशिद कासमी महासचिव जमीयत उलेमा जिला कौशांबी ने जलसा को खिताब करते हुए कहा के इस्लाम की पूरी तारीख शहादत के मुतवालियों से भरी पड़ी है और यह दीन हम तक ना जाने कितनी शहादतें और कुर्बानियों के बाद पहुंचा है चुनांचे सैयदुश्शोहदा हजरत हमजा र. की शहादत का वाकिया ही देख ली जिए के उनकी लाश को देखकर आप स. खुद रो दिये और खलीफा ए सालिस सैयद ना उस्मान र. की शहादत का वाकिया इतना दर्दनाक है वह उस्मान र. जो दामाद ए रसूल हैं जुन्नूरैन हैं वह उस्मान र. के जिसने अपने पूरे माल व दौलत को अल्लाह की राह पर खर्च कर दिया चुनांचे एक मौका पर आप स. ने एलान किया के कौन है??? जो अल्लाह के राह में खर्च करे जो अपने माल को अल्लाह के रास्ते में अल्लाह के बंदों के लिए कुर्बान कर दे उस मौके पर हजरत उस्मान र. खड़े हुए और कहा ऐ अल्लाह के नबी स. मेरी तरफ से तीन सौ ऊंट मैं साजो सामान के आप स. ने फिर से एलान किया दूसरी मर्तबा भी हजरत उस्मान र. खड़े हुए और कहा ऐ अल्लाह के नबी स. फिर मेरी तरफ से तीन सौ ऊंट मै साजो सामान के आप स ने फिर तीसरी मर्तबा एलान किया तो भी हजरत उस्मान र. खड़े हुए और कहा के ए अल्लाह के नबी स. मेरी तरफ से तीन सौ ऊंट मै साजो सामान के और सौ घोड़े भी और अशरफयों की एक थैली लाकर आप स. के हाथों में रख दिया तो आप स. ने फरमाया के अगर आज के बाद उस्मान र. कोई अमल ना भी करें तो भी जन्नत में जाएंगे मैं इसकी जमानत देता हूं वह उस्मान र. जिसने मदीना वालों के लिए एक कुंवा खरीद कर वक्फ किया वह उस्मान जिसके बारे में मेरे आका मोहम्मद स. ने फरमाया कि अगर मेरी कोई तीसरी बेटी होती तो उसको भी उस्मान र. के निकाह में दे देता बागियों ने जालिमों ने चालिस रोज तक घर का मोहासरा करने के बाद मजलूमाना और बे रहिमाना तौर पर शहीद कर दिया इस हाल में के आप कुरान की तिलावत करते रहे थे और मौलाना ने वाकिया शोहदा ए कर्बला पर मुफस्सल रोशनी डालते हुए कहा के नवास ए रसूल सैयद ना हजरत हुसैन र. जैसा शहीद नहीं पैदा हो सकता के जिसने कर्बला के मैदान में भूखे प्यासे रह कर सजदे कि हालत में जाम ए शहादत नोश फरमाया अपने पूरे खानदान को कुर्बान कर दिया और उम्मत को यह पैगाम दे गए के जान जाती है तो जाए मगर नमाज कजा ना होने पाय अगर नमाज की माफी होती तो ऐसे हजरात की होती इसलिए जब तक जिस्म में जान रहे और बदन मे रूह रहे हमें नमाज नहीं छोड़नी है और यह सबक भी पढ़ा गए के जालिम के जुल्म के आगे डरना नहीं है बल के सब्र और हिम्मत से और शुजाअत वह बहादुरी से काम करना है हक का सच का साथ देना है झूठ और जुल्म से बचना है आज हमें अपने अंदर यही जज्बा पैदा करने की जरूरत है और जनाब हाफिज व कारी अलाउद्दीन साहब की दुआ पर जलसा का इख्तेताम हुआ इस मौके पर जनाब हाफिज व कारी अलाउद्दीन साहब , हजरत मौलाना मुफ्ती ओबैदुल्ला नदवी जनरल सेक्रेटरी जमीयत उलेमा जिला कौशांबी, मौलाना मुफ्ती मोहम्मद मुरशिद कासमी महासचिव जमीयत उलेमा जिला कौशांबी, हाफिज मोहम्मद नौशाद साहब रुक्न जमीयत उलेमा जिला कौशांबी, मोहम्मद मेराज, मोहम्मद इम्तियाज और कसीर तादाद में लोग मौजूद रहे।

तिरंगा रैली को रवाना करते डीएम

हर घर तिरंगा रैली को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झण्डी दिखाकर डीएम ने किया रवाना

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने शनिवार को आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित हर घर तिरंगा रैली को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह रैली कलेक्ट्रेट परिसर से मंझनपुर चौराहा होते हुए विकास खण्ड मंझनपुर तक निकाली गयी। ऑगनवाड़ी कार्यक्रत्री, आशा कार्यकत्री एवं शिक्षिकाओं आदि द्वारा ह्लहर घर तिरंगाह्व रैली के माध्यम से आगामी 13 से 15 अगस्त तक कौशाम्बी वासियों को अपने घर पर झण्डा फहराने के प्रति जागरूक किया गया इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी, जिला विकास अधिकारी विजय कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेश कुमार गुप्ता, जिला पंचायत राज अधिकारी बाल गोविन्द श्रीवास्तव एवं जिला बेसिक शिक्षाधिकारी प्रकाश सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

आॅगनवाड़ी, आशा एवं शिक्षिकाओं द्वारा हर घर तिरंगा रैली के माध्यम से आगामी 13 से 15 अगस्त तक कौशाम्बी वासियों को अपने घर पर झण्डा फहराने के प्रति किया जागरूक

एदिलपुर में बिना नाला निर्माण के सामग्री खरीद पर निकल गयी 33 लाख की रकम !

अखंड भारत संदेश

मनरेगा योजना से नाला का निर्माण ना होने पर शिकायत के बाद आनन-फानन में जेसीबी से खोदा गया नाला बिना नाला निर्माण कराए मनरेगा योजना से मजदूरों की फर्जी हाजिरी भरकर निकाली गई 25 लाख रुपए लगभग की रकम

नाला निर्माण का दृश्य

कौशाम्बी। भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों पर मुकदमा दर्ज कराकर सरकारी रकम की रिकवरी कराए जाने और भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों की गिरफ्तारी कराए जाने के बजाय भ्रष्टाचारियों को किस तरह से संरक्षण दिया जा रहा है इसका जीता जागता उदाहरण मंझनपुर विकासखंड क्षेत्र के एदिलपुर ग्राम पंचायत में देखा जा सकता है बीते वर्ष सरकारी खजाने से सामग्री के नाम पर 33 लाख और मजदूरों के नाम पर 25 लाख लगभग की रकम निकल जाने के बाद नाला का निर्माण ना होने पर ग्रामीणों द्वारा बार-बार शिकायत के बाद भी 58 लाख की रकम गबन करने वाले ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव पर आला अधिकारियों ने मुकदमा दर्ज कराकर भ्रष्टाचारियों की गिरफ्तारी नहीं कराई है 58 लाख की रकम डकार जाने वाले भ्रष्टाचारियों से सरकारी रकम की रिकवरी कराने के बजाए हो हल्ला मचाए जाने के बाद उन्हें संरक्षण देकर 1 वर्ष बाद नाला निर्माण पूर्ण करने का अवसर दिया जा रहा है जबकि सरकारी अभिलेखों में यह नाला बीते वर्ष पूर्ण हो चुका है और तमाम अधिकारियों ने शासन को नाला पूर्ण की झूठी रिपोर्ट भी भेजी है शिकायत के बाद आनन-फानन में नाला निर्माण पूर्ण करा कर भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने का प्रयास शुरू हो गया है जिससे भ्रष्टाचारी जेल जाने से बच जाएं आखिर भ्रष्टाचारियों को बचाव का रास्ता देने वाले अधिकारियों को इन भ्रष्टाचारियों से क्या लगाव है कहीं 58 लाख की इस रकम के भ्रष्टाचार में विकास भवन और विकास खंड कार्यालय के अधिकारी तो हिस्सेदार नहीं है यह भी एक बड़ी जांच का विषय है।

गौरतलब है कि मंझनपुर विकासखंड क्षेत्र के एदिल पुर ग्राम पंचायत में नाला निर्माण के लिए बीते वर्ष मनरेगा योजना से सामग्री खरीदने के लिए 33 लाख रुपए की रकम स्वीकृत हुई थी नाला निर्माण में मजदूरों की मजदूरी की रकम लगभग 25 लाख अतिरिक्त थी अभिलेखों में नाला निर्माण पूर्ण दिखाकर पंचायत के जिम्मेदारों ने रकम निकाल लिया नाला निर्माण में फर्जी मजदूरों के नाम पर मजदूरी का भुगतान भी कर दिया गया अभिलेखों में बीते वर्ष नाला पूर्ण हो चुका है लेकिन मौके पर नाला का निर्माण नहीं हुआ जिस पर ग्रामीणों ने हो हल्ला मचाया अधिकारियों से शिकायत करने के बाद ग्रामीणों ने दोषियों पर कार्रवाई की मांग की लेकिन जांच के नाम पर दोषियों को बचाने का खेल शुरू हो गया है भ्रष्टाचारियों पर मुकदमा दर्ज करा कर गिरफ्तारी कराने और रिकवरी कराने के बजाय उन्हें नाला निर्माण पूर्ण करने का अवसर दिया जा रहा है ग्रामीणों की शिकायत के बाद नाला का निर्माण एक वर्ष बाद शुरू कर दिया गया है मनरेगा योजना से बनाए जा रहे इस नाले की खुदाई में जेसीबी मशीन का प्रयोग किया गया है आखिर जिन मजदूरों के नाम पर मजदूरी निकाली गई है उन मजदूरों से बिना काम कराए फर्जी मजदूरी निकालने के मामले में भी अधिकारी गंभीर नहीं हुए हैं जब जेसीबी मशीन से नाला की खुदाई की गई है तो जिन मजदूरों के नाम पहले मजदूरी निकाल ली गई है उन मजदूरों से कहां काम कराए गए हैं इस बात का भी उत्तर अधिकारियों के पास नहीं है सूत्रों की माने तो फर्जी तरीके से नाला निर्माण में 25 लाख रुपए से अधिक की रकम मजदूरों के नाम मनरेगा योजना से भुगतान कराया जा चुका है खुलेआम भ्रष्टाचार के मामले में अधिकारियों का कठोर निर्णय ना करना योगी सरकार की छवि पर बदनुमा धब्बा लग रहा है नाला निर्माण के इस घोटाले में यदि शासन स्तर से उच्च स्तरीय जांच हुई तो विकास भवन और विकास खण्ड कार्यालय मंझनपुर के कई अधिकारियों की गर्दन फंस सकती है लेकिन क्या योगीराज में इस भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच हो पाएगी और दोषियों को दंड मिलेगा।

रात में सोने से पहले दूध में डालकर पिएं सौंफ, सेहत को मिलेंगे ये 5 फायदे

सौंफ का इस्तेमाल अधिकतर घरों में किया जाता है। सौंफ का उपयोग लोग माउथ फ्रेशनर के रूप में ज्यादा करते हैं। लेकिन क्या कभी आपने सौंफ को दूध के साथ मिलाकर लिया है? रात को सोने से पहले दूध में सौंफ मिलाकर पीने से शरीर को कई लाभ मिल सकते हैं। इसका नियमित सेवन करने से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। सौंफ दूध के स्वाद को भी कई गुना बढ़ा देता है। दूध में सौंफ मिलाकर पीने से पाचन से संबंधित समस्याएं दूर होती हैं। साथ ही यह त्वचा के लिए भी फायदेमंद होता है। आइए जानते हैं रात को सौंफ वाला दूध पीने से शरीर को क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

मुहांसे दूर करने में मददगार

सौंफ वाला दूध स्किन पर मुहांसे होने से रोक सकता है। सौंफ में मौजूद तत्व स्किन पर होने वाले मुहांसों को दूर करने में भी मदद कर सकते हैं। दरअसल, सौंफ शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है। इससे खून साफ होता है और त्वचा से संबंधित समस्याएं दूर होती हैं। रोजाना सौंफ वाला दूध पीने से त्वचा चमकदार बनती है और स्किन में निखार आता है।

वजन कम करने में मददगार

सौंफ वाला दूध वेट लॉस करने में भी मददगार साबित हो सकता है। दरअसल, सौंफ वाला दूध पीने से लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। इससे आप ओवरइटिंग से बच सकते हैं। ऐसे में आपका वजन नियंत्रण में रह सकता है। इसके साथ ही सौंफ वाला दूध पीने से हड्डियां मजबूत बनती हैं। सौंफ वाला दूध मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने में भी मदद करता है, इससे कैलोरी बर्न होती है और वजन भी आसानी से घटता है।

पाचन तंत्र को सुधारता है

सौंफ में मौजूद तत्व पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। सौंफ चबाने से पाचन तंत्र मजबूत बनता है। यहमेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है और पाचन क्रिया को सही रखता है। सौंफ लेने से कब्ज और गैस से भी छुटकारा मिल सकता है।

आंखों की रोशनी तेज करे

सौंफ वाला दूध सेवन करने से आंखों की रोशनी बढ़ने में मदद मिलती है। सौंफ में मौजूद विटामिन- आंखों की रोशनी को तेज करने में मदद करता है। अगर आपके आंखों में सूजन रहती है, तो भी आप सौंफ वाला दूध पी सकते हैं। कंप्यूटर और लैपटॉप के सामने घंटो काम करने के बाद अगर आप रात को एक गिलास सौंफ वाला दूध पीते हैं, तो इस से आंखों को बहुत राहत मिल सकती है

हीमोग्लोबीन बढ़ाएं

सौंफ वाले दूध में आयरन, पौटेशियम और कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। रोजाना रात को सौंफ वाला दूध पीने से शरीर में खून बढ़ता है, साथ ही हड्डियां भी मजबूत बनती हैं। सौंफ वाला दूध नियमित रूप से पीने से एनीमिया की समस्या भी दूर हो सकती है।

सौंफ वाला दूध कैसे बनाएं ?

सौंफ वाला दूध बनाने के लिए एक गिलास दूध को पैन में गर्म करने के लिए रखें।

हल्का दूध गुनगुना होने के बाद इसमें 1 चम्मच सौंफ डालें।

सौंफ को दूध में करीब 2-3 मिनट अच्छे से उबालें।

दूध का रंग थोड़ा बदल जाए, तो उसे आंच से उतार लें।

अब इस दूध को छलनी से छानें।

सौंफ स्वाभाविक रूप से मीठी होती है, इसमें अलग से चीनी डालने की आवश्यकता नहीं होती है। लेकिन आप चाहें तो इसमें शहद मिला सकते हैं।

हल्का ठंडा होने पर आप इस सौंफ वाले दूध को सोते समय पी सकते हैं।

सौंफ वाला दूध आप बच्चों से लेकर घर के बुजुर्गों को पीने के लिए दे सकते हैं। इसके मीठे स्वाद की वजह से बच्चे भी इसे आसानी से पी लेंगे।

नैंसी पेलोसी की व्यूह रचना को समझिए

ताइपे शहर से 180 किलोमीटर दूर हुआथान शहर में सु-फू-ये बेकरी, अंडे की ज़र्दी से स्टफ्ड 'योक पेस्ट्री' के लिए प्रसिद्ध है। दो अगस्त, मंगलवार की रात सु-फू-ये बेकरी ने बैनर लटकाकर घोषणा की, कि यदि अमेरिकी स्पीकर नैंसी पेलोसी एक घंटे के वास्ते ताइवान में हैं, छह पीस योक पेस्ट्री ख़रीदिये, हमारी ओर से एक पेस्ट्री फ्री। नैंसी पेलोसी दो घंटे रुकीं, तो छह योक पेस्ट्री के साथ दो फ्री। घंटे के हिसाब से पेलोसी का रुकना, और बेकरी वाले से फ्री की पेस्ट्री, ताइवानी मीडिया के लिए सुर्खियों का सबब बन गया। ताइपे के सोंगशान एयरपोर्ट पर पेलोसी मंगलवार की रात 10:44 पर उतरीं। वे कुल 19 घंटे ताइवान में रहीं। सोचिए, बेकरी मालिक चियांग का क्या हाल हुआ होगा? छह योक पेस्ट्री के साथ 19 पेस्ट्री फ्री।

बुधवार शाम छह बजे पेलोसी दक्षिण कोरिया के लिए प्रस्थान कर गईं। दक्षिण कोरिया के बाद, यात्रा के अंतिम चरण में उन्हें जापान जाना है। पेलोसी, कांग्रेसनल डेलीगेशन के साथ ताइवान की पहली महिला राष्ट्रपति त्साई इंग वेन से मिलीं, उनका सम्मान हुआ। संसद के सभापति से उनका मिलना हुआ। अमेरिकन इंस्टीच्यूट गईं, ऐसी तमाम ख़बरें वहां के मीडिया में है। लेकिन जिस ख़बर को जानने के बाद अमेरिकी खेल समझ में आता है, वह है नैंसी पेलोसी का चिप इंडस्ट्री के दिग्गजों से मिलना।

ताइवान की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी के वरिष्ठ सांसद ख़ेर छिएन मिंग ने एक मेल के ज़रिये जानकारी दी कि सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के चेयरमैन मार्क लियु, टीएसएमसी के संस्थापक मोरिस छांग, एपल आईफोन के असेंबलर 'पेगाट्रोन' के वाइस चेयरमैन जेसोन चेंग से नैंसी पेलोसी का संवाद हुआ। उन्हें कुछ दिन पहले पारित अमेरिकन चिप एंड साइंस एक्ट के हवाले से भरोसा दिया गया कि 52 अरब डॉलर हम ताइवान की उन सेमीकंडक्टर निर्माण करने वाली कंपनियों को देंगे, जो अमेरिका में रहकर चिप डेवलप करेंगी। एपल, गूगल, क्वालकम, एन-विडिया जैसी कंपनियों से सहकार की दिशा में आगे बढ़ेंगी। ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (टीएसएमसी) वर्ल्ड मार्केट कैपिटलाइजेशन के मामले में नौवें स्थान पर है। 'मार्केट कैपिटलाइजेशन' शेयरों की ख़रीद-बिक्री से घटता-बढ़ता है।पेलोसी ने हिदायत दी है कि चीन से उन चिप कंपनियों का कोई नाता नहीं होना चाहिए। उसकी वजह, जियो पॉलिटिकल के साथ मिल्ट्री भी है। उदाहरण के लिए ताइवान की टीएसएमसी चिप्स है, जिसका इस्तेमाल अमेरिकी फाइटर जेट, 'एफ-35' में होने लगा है। टीएसएमसी चिप्स स्मार्टफोन, डाटा सेंटर और सुपरकंप्यूटर में पहले से लगाये जा रहे हैं। उसी तरह सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा है। डाटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में सेमीकंडक्टर का बहुत बड़ा रोल रहता है। इसे मान लेना चाहिए कि अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी वर्चस्व की लड़ाई तेज़ी से शुरू है, उसे साधने के वास्ते ताइवानी तकनीशियनों का इस्तेमाल, अमेरिकी सबसे ज़रूरी मानते हैं।एक और प्रतिस्पर्धा इंटीग्रेटेड सर्किट को लेकर है जिसे चिप या माइक्रोचिप के रूप में भी जाना जाता है। साल 2021 तक इंटीग्रेटेड सर्किट मार्केट के 54 प्रतिशत हिस्से पर अमेरिकी कंपनियों का कब्ज़ा बताया गया था। दुनिया के माइक्रोचिप बाज़ार पर दक्षिण कोरिया की 22 प्रतिशत और ताइवान की 9 फीसद हिस्सेदारी है। नैंसी पेलोसी की ताइवान-दक्षिण कोरिया यात्रा का दूसरा मकसद एशियाई चिप इकोनॉमी पर आधिपत्य जमाना है। इस एंगल को समझने की ज़रूरत है, जो प्रत्यक्ष रूप से नहीं दिखता।जो दिख रहा है, वो ये कि जी-7 के विदेश मंत्रियों ने नैंसी पेलोसी की यात्रा के दौरान चीन की भाषा और हरकतों पर आपत्ति जताई है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने इस दौरान इस्टर्न थिएटर कमांड को जिस तरह सक्रिय किया, ताइवान के आसपास के द्वीपों से हवाई व समुद्री मिल्ट्री ड्रिल करवाई, ड्रोन एक्टिव किये, उसके हवाले से दुनिया के दीगर हिस्सों को लगा कि यूक्रेन के बाद दूसरा मोर्चा इस इलाके में खुल चुका है। खुसूसन भारतीय विजुअल मीडिया इस मामले में बिल्कुल अगंभीर और अधीर दिख रहा था। पेलोसी, ताइवान यात्रा के दौरान 'डेमोक्रेसी, डिफेंस और फ्रीडम' जैसी शब्दावली का इस्तेमाल करती रहीं। अब कोई पेलोसी से पूछे, 25 अक्तूबर, 1971 को आरओसी (रिपब्लिक ऑफ चाइना, ताइवान प्रायद्वीप का नाम) को जब संयुक्त राष्ट्र से निष्कासित किया गया, तब अमेरिका कहां था? उसने 51 साल पहले वीटो का इस्तेमाल क्यों नहीं किया? आज चाइनीज़ नेशनलिस्ट पार्टी (क्वोमितांग) सत्ता में नहीं है। सेंटर-लेफ्ट नेशनलिस्ट विचारधारा वाली डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) सन? 2000 से सत्ता में है। डीपीपी चीन से मुक्ति के लिए संघर्षरत है। तो संयुक्त राष्ट्र में ताइवान की वापसी के प्रयासों में अमेरिका मदद क्यों नहीं करता?

1992 में वन चाइना पॉलिसी की घोषणा हुई, उद्देश्य यही बताना था कि ताइवान, एकीकृत चीन के अधीन है। तिब्बत को भी 'वन चाइना पॉलिसी' के तहत माना गया। अमेरिकी पोजिशन उन दिनों यही थी कि ताइवानी नेता मिल-जुलकर शांतिपूर्ण समाधान निकालें। अब अमेरिका चूंकि चीन से आर्थिक युद्ध लड़ने का आकांक्षी है, तो ताइवान का कंधा उसे चाहिए। ताइवान में 84 फीसद हान आबादी है, जिन्हें मुख्यभूमि चीन से दूरगामी रणनीति के तहत बसाया गया था। हान चीनियों का तिब्बत से ताइवान तक व्यापार पर कब्ज़ा है। मगर, जब आरपार की लड़ाई छिड़ती है, इनका कारोबार भी प्रभावित होता है। जैसे, पेलोसी की यात्रा के तुरंत बाद चीन ने दो हज़ार ताइवानी प्रोडक्ट को मेनलैंड चाइना के बाज़ार से हटा दिया है। चीन ने अमेरिकी राजदूत निकोलस बर्न्स को तलब किया और प्रतिरोध पत्र पकड़ा दिया कि पेलोसी अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ ताइपे जिस तरह पधारीं, वह वन चाइना पॉलिसी के विपरीत है, और ताइवान को उकसाने वाली कार्रवाई है।कई बार लगता है कि चीन और नैंसी पेलोसी नूरा कुश्ती खेल रहे हैं। कम लोगों को पता है कि अमेरिकी डेमोक्रेट नेता नैंसी पेलोसी के ल्हासा जाने का इंतज़ाम नवंबर, 2015 के पहले हफ्ते में चीनी प्रशासन ने किया था। तब नैंसी पेलोसी ने 'तिब्बत में सब चंगा सी' बोलकर उन्हें तुष्ट कर दिया था। पेलोसी ने तिब्बत से लौटते ही बयान दिया कि वहां धार्मिक आज़ादी, जातीय संस्कृति, पारिस्थितिकी व पर्यावरण चीनी शासन की देखरेख में सुरक्षित हैं। मगर, डेढ़ साल बाद 9 मई, 2017 को जब नैंसी पेलोसी दलाई लामा से मिलने धर्मशाला पहुंच गईं, तो चीनियों के कान खड़े हुए। मतलब ये कि नैंसी पेलोसी शतरंज की कौन-सी चाल चलने वाली हैं, सुनिश्चित होकर नहीं कह सकते। सोचिए, नैंसी पेलोसी एक डेलीगेशन के साथ ल्हासा घूम आईं, चीन को ज़रा भी कष्ट नहीं हुआ। नैंसी ताइवान जाएं, तो तूफान खड़ा होता है। भारत में तो ऐसा गुब्बारा फुलाया गया, गोया यूक्रेन के बाद युद्ध का दूसरा फ्रंट एशिया में खुल गया हो!

सम्पादकीय

पेपरलेस विधानसभा

यह बदलते वक्त की मांग है कि जनप्रतिनिधि संस्थाएं हाईटेक हों। देश में कई राज्य पेपरलेस विधान सभा की ओर बढ़ चुके हैं, इसी कड़ी में अब हरियाणा भी जुड़ने जा रहा है। यहां ई-विधानसभा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और इससे जुड़े प्रशिक्षण विधायकों व अधिकारियों को दिये जा चुके हैं। साथ ही विधानसभा में सभी जरूरी डिवाइसेज भी स्थापित किये जा चुके हैं। दरअसल, इस दिशा में प्रयास गत वर्ष फरवरी में शुरू हुए थे और इसे अंतिम रूप देने में करीब सत्रह माह का समय लगा। अब सदन का पेपरलेस सत्र आठ अगस्त को शुरू होगा। निस्संदेह, अमृत महोत्सव के दौर में यह हरियाणा में लोकतंत्र की नई उपलब्धि होगी। इस परियोजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर करेंगे और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला व केंद्रीय संसदीय मंत्री प्रहलाद जोशी कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़ेंगे। उल्लेखनीय है कि नेशनल ई-विधान एप्लिकेशन हरियाणा के डाटा के साथ अपडेट कर दी गई। साथ ही केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्रालय की टीम ने यहां विधायक व अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दिया है। यह परियोजना पहले ही सिरे चढ़ जाती मगर कोविड संकट के चलते इसमें कुछ विलंब हुआ। इसके बावजूद विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता व अधिकारी परियोजना को सिरे चढ़ाने के लिये लगातार प्रयासरत रहे। इस योजना को मूर्त रूप देने के लिये करीब साढ़े आठ करोड़ रुपये का प्रावधान रखा गया था। विधानसभा के डिजीटलाइजेशन हेतु गत वर्ष पच्चीस फरवरी को त्रिपक्षीय एमओयू साइन किया गया था। समय-समय पर नेशनल ई-विधानसभा एप्लिकेशन से जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सुखद यह है कि इस परियोजना से हरियाणा विधानसभा को 5.6 करोड़ रुपये की बचत होगी। निस्संदेह, पेपरलेस विधानसभा बनने से कागज की बचत होने से पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलेगा जो ग्लोबल वार्मिंग संकट के दौर में एक रचनात्मक पहल होगी। जिससे आम आदमी को भी पर्यावरण संरक्षण के लिये प्रेरित किया जा सकता है। निस्संदेह हमारे जनप्रतिनिधि लाखों लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, वे इस पहल से अपने क्षेत्र के लोगों को पर्यावरण संरक्षण में रचनात्मक भूमिका के लिये प्रेरित कर सकते हैं।वाकई पेपरलेस विधानसभा से आर्थिक बचत,पर्यावरण चेतना के साथ ही पारदर्शिता को भी बढ़ावा मिलेगा। जनप्रतिनिधियों के सामने एक क्लिक में अपने क्षेत्र व राज्य का सारा डाटा उपलब्ध हो जायेगा। साथ ही डिजीटलाइजेशन के उपरांत विधानसभा सचिवालय में सदन की कार्यवाही में लगने वाले कागज की बचत होगी। सदन की कार्यवाही के दौरान कार्यसूची बनाने, नोटिस व बुलेटिन जारी करने, सदन में पूछे जाने वाले सवाल व उनके जवाब, सदन के पटल में रखे जाने वाले दस्तावेजों तथा अनेक समितियों की रिपोर्टों को तैयार करने में जहां लंबा वक्त लगता था, वहीं सदन पर आर्थिक बोझ भी बढ़ता था। अब बिना कागज के उपयोग के तुरत-फुरत काम होगा। हमारे माननीय भी हाईटेक बनेंगे और उनकी कार्यशैली को गति मिलेगी। विधायक उपयोगी जानकारी तथा विभिन्न नियमावलियों को एक क्लिक के जरिये हासिल कर सकेंगे। जब वे अपनी बात सदन में रखेंगे तो उनके सामने सभी तथ्य मौजूद होंगे। साथ ही आम लोगों को डिजीटल प्रक्रिया के जरिये सहज ही सूचनाएं मिल सकेंगी। निस्संदेह इस प्रकिया से जहां विधानसभा की कार्यवाही को गति मिलेगी, वहीं पारदर्शिता को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिजिटल भारत मुहिम को भी इस प्रयास से व्यापक गति मिलेगी। दरअसल, इसी महत्वाकांक्षी मुहिम के तहत ही देश की संसद व विधानसभाओं तथा विधान परिषदों का डिजीटलीकरण करके उन्हें कागज मुक्त करने का प्रयास किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि सारे देश में करीब उन्नीस राज्य व केंद्र शासित प्रदेश इस परियोजना के तहत एमओयू पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। हरियाणा इस परियोजना के तीसरे चरण में पहुंच चुका है। अच्छी बात यह है कि विधानसभा के हाईटेक होने से विधायकों व जनता के बीच भी संवाद व संपर्क को गति मिलेगी।

मधुमय महक से स्वावलंबन की मिठास

जब हम जुनून को अपनी जीविका से जोड़ लेते हैं तो सफलता निश्चित रूप से कदम चूमती है। उस सफलता से हासिल कामयाबी न केवल प्रतिष्ठा व जीविका का जरिया देती है, बल्कि हजारों लोगों की प्रेरणा की वजह भी बनती है। हरियाणा के यमुनानगर जनपद में हाफिजपुर गांव के सुभाष कांबोज की कामयाबी की मधुमय महक इतनी तेजी से फैली कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दो बार मन की बात कार्यक्रम में उनकी प्रेरणादायक सफलता का उल्लेख करना पड़ा। एक पिछले रविवार 91वें एपिसोड में और एक बार सवा साल पहले। दो दशक पहले मुश्किल से हासिल छह बॉक्सों से मधुमक्खी पालन करने वाले सुभाष कांबोज आज दो हजार बॉक्सों के जरिये मधुमक्खी पालन कर रहे हैं। साल में शहद उत्पादन का उनका टर्न ओवर दो करोड़ के लगभग है। वे सम्मान पूर्वक न केवल अपनी जीविका चला रहे हैं बल्कि अब तक करीब साढ़े तीन हजार लोगों को मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण देकर स्वावलंबन की मुहिम भी चला रहे हैं। वे आज कृषि विश्वविद्यालयों में व्याख्यान देने जाते हैं और किसानों को खेती के साथ इस नकदी के व्यवसाय में निवेश के लिये प्रेरित करते हैं। करीब दस एकड़ में खेती करने वाले सुभाष ने एक बगीचा भी लगाया है, जहां मधुमक्खियों को पराग उपलब्ध हो सके।

बातचीत ने सुभाष बताते हैं कि पढ़ाई के दौरान मित्र कुलदीप के साथ स्कूल जाया करता था। फोन तब थे नहीं, चार किलोमीटर उसके गांव पहुंचकर स्कूल साथ जाते थे। उसके खेत में मधुमक्खी पालन के लिये छह बॉक्स रखे थे। मन खाने के लिये शहद जुटाने हेतु लालायित था, लेकिन दोस्त से बॉक्स नहीं मिल पाये। दोस्त ने कहा- मधुमक्खियां काट लेंगी, शहद मेरे से ले जाना। मन में कसक थी। बाद में महाराष्ट्र से डीपीएड का डिप्लोमा करने के बाद निजी स्कूल में शिक्षक बन गये। लेकिन मन में कुछ अलग करने की ललक थी। संयोग से वह मित्र विदेश चला गया तो उनके भाई से 1992 में वे छह मधुमक्खी पालन के बॉक्स हासिल कर लिये। आज मेहनत, अध्ययन व पुरुषार्थ से हासिल दो हजार बॉक्स से वे मधुमक्खी पालन करते हैं।सुभाष अपनी प्रेरणा मधुमक्खियों को बताते हैं। उनका कहना मधुमक्खी ही एकमात्र ऐसा जीव है जो सोता नहीं है। चौबीस घंटे काम करती हैं। उम्र के हिसाब से उनका काम बंटा रहता है। यह धारणा गलत है कि वे सिर्फ रानी मधुमक्खी के इशारे पर काम करती हैं। मधुमक्खियों का काम बेहद सुव्यवस्थित व नियमित होता है। सुभाष मौसम व तापमान के अनुरूप दूसरे राज्यों में बॉक्स लगाने जाते हैं। वहां पराग के लिये फूलों की जरूरतों के मुताबिक कहीं किराये पर जमीन लेते हैं कहीं परती भूमि पर बॉक्स लगाते हैं ताकि वर्ष पर्यंत शहद मिलता रहे। अलग-अलग फूलों व फसलों के अनुरूप शहद की गुणवत्ता निर्धारित होती है। वे गुणवत्ता के शहद का विपणन देश में खुद करते हैं। वहीं सरसों के फूलों के शहद की अमेरिका आदि देशों में खासी मांग है जिसे गुणवत्ता का शहद माना जाता है।

दरअसल, सुभाष कांबोज ने खादी ग्रामोद्योग से प्रशिक्षण लेने के अलावा मधुमक्खियों के जीवन को लेकर व्यापक अध्ययन किया, जिसकी मिठास अब उन्हें इस कारोबार में हो रही है। बाजार में मिलने वाले बड़ी कंपनियों के शहद की गुणवत्ता के प्रश्न के बीच उनके शहद की खासी मांग रहती है। यही वजह है कि जहां उनका स्वावलंबन का जीवन सुखद हुआ है वहीं आसपास के लोगों को भी वे प्रेरित कर रहे हैं।

आज सुभाष कंबोज के परिवार के लोग भी उनके इस काम में हाथ बंटाते हैं। वे अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दे पाये हैं। बेटे अभिनव ने बीटेक कर ली है और बेटी नैन्सी ने एमबीबीएस कर लिया। पत्नी सुनीता भी संबल देती हैं। बेटा उनके शहद के मिठास भरे कारोबार में हाथ बंटाने को उत्सुक है।

यह पूछने पर कि क्या शहद निकालने पर मधुमक्खियां प्रतिरोध नहीं करतीं? वे बताते हैं कि उनका शहद उस समय निकाला जाता है जब पराग के लिये पर्याप्त फूल उपलब्ध हों और मक्खियों के शहद बनाने की प्रक्रिया बाधित न हो। वे कहते हैं कि मधुमक्खियों की याददाश्त ऐसी नहीं होती कि इस बॉक्स में छत्ता बनाया तो शहद चला गया, अब यहां दुबारा शहद नहीं बनाना। वे अधिक शहद वाली अनेक प्रजातियों की मधुमक्खियों का पालन करते हैं। शहद के साथ ही वे अन्य उत्पादों के जरिये अपनी आय को बढ़ाते हैं। वे किसानों को प्रेरित करते हैं कि हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों की तरफ से मधुमक्खी पालन के लिये कितनी सब्सिडी व अन्य सुविधाएं मिलती हैं। सुभाष कांबोज जैसे अनेक लोग मधुमक्खी पालन में प्रेरणादायक पहल कर रहे हैं जिनमें जम्मू के विनोद कुमार, कर्नाटक के मधुकेश्वर हेगड़े व गोरखपुर के निमित सिंह शामिल हैं। ये पुरुषार्थी युवाओं को संदेश दे रहे हैं कि नौकरियों का मोह त्यागें और मेहनत व संकल्प से अपने जीवन में शहद सी मधुमय मिठास घोलें। दरअसल, सुभाष कंबोज जैसे लोग केवल शहद का ही कारोबार नहीं कर रहे हैं बल्कि इससे जुड़े छह उत्पादों मसलन मोम, रायल जैली आदि का भी कारोबार कर रहे हैं। यानी आम के साथ गुठलियों के भी दाम मिल रहे हैं। निस्संदेह शहद की मिठास अब किसानों का जीवन भी बदलने लगी है और बड़ी आय का जरिया भी बन रही है। वैसे भी शहद न केवल स्वाद दे रहा है बल्कि आरोग्य भी।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने बजरंग और अंशु को बधाई दी

नई दिल्ली। पांच अगस्त (भाषा) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रमंडल खेलों में कुश्ती में स्वर्ण और रजत पदक जीतने में क्रमशः बजरंग पूनिया और अंशु मलिक को बधाई दी। भारत के स्टार पहलवान बजरंग ने पुरुषों की फ्रीस्टाइल 65 किग्रा स्पर्धा के फाइनल में कनाडा के लाचलान मैकनील को 9-2 से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा।

अंशु को फाइनल में नाईजीरिया की ओडुनायो फोलासाडे एडुकुरोये से 3-7 से हार का सामना करना पड़ा। राष्ट्रपति ने बजरंग पूनिया के लिए ट्वीट किया, '' राष्ट्रमंडल खेलों में कुश्ती में लगातार स्वर्ण जीतने और इतिहास रचने के लिए बजरंग पूनिया को बधाई। आपकी निरंतरता, समर्पण और उत्कृष्टता हमारे युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। आपका स्वर्ण पदक सर्वश्रेष्ठ बनने की ललक और नये भारत की भावना को दर्शाता है।''

उन्होंने अंशु के लिए लिखा, '' राष्ट्रमंडल खेलों में कुश्ती में रजत पदक जीतने पर अंशु मलिक को बधाई। आपने सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय पहलवानों में से एक के रूप में अपनी योग्यता साबित की है। आपके सभी भावी प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं।'' मोदी ने बजरंग पूनिया के लिए लिखा, ''प्रतिभाशाली बजरंग पूनिया निरंतरता और उत्कृष्टता का पर्याय हैं। उन्होंने बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता। लगातार तीसरे स्वर्ण पदक जीतने की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई। उनका जज्बा और आत्मविश्वास प्रेरणादायक है। मेरी शुभकामनाएं ।'' प्रधानमंत्री ने मोदी ने अंशु को टैग करते हुए ट्विटर पर लिखा, ''अपने जन्मदिन के दिन कुश्ती में रजत पदक जीतने पर अंशु को बधाई। भविष्य में खेलों में सफल यात्रा के लिए उन्हें मेरी शुभकामनाएं। खेलों के प्रति उनका जुनून भविष्य के खिलाड़ियों को प्रेरित करेगा।''

एम्मा रादुकानू सिटी ओपन के क्वार्टर फाइनल में

वाशिंगटन । मौजूदा यूएस ओपन चैंपियन एम्मा रादुकानू ने उमस भरी गर्मी में लगभग 3 घंटे जूझने के बाद कैमिला ओसोरियो को हराकर सिटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। रादुकानू ने ओसोरियो को 7-6 (5), 7-6 (4) से हराकर सत्र में दूसरी बार क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

रादुकानू इससे पहले अप्रैल में स्टुटगार्ट में अंतिम-8 में पहुंची थी। यूएस ओपन की तैयारियों के लिए महत्वपूर्ण इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए रादुकानू को अब 60वीं रैंकिंग की लियूडमिला सैमसोनोवा का सामना करना होगा। सैमसोनोवा ने अजला टोमलजानोविच को 4-6, 6-3, 6-2 से हराया। पुरुषों के वर्ग में योशिहितो निशिओका ने सातवीं वरीयता प्राप्त करेन खाचानोव को 7-6 (2), 7-6 (1) से पराजित किया। क्वार्टर फाइनल में निशिओका का सामना डैन इवांस से होगा, जो तीसरी वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज के तीसरे सेट में हटने के कारण आगे बढने् में सफल रहे।

बिग बैश लीग को खतरा, यूएई लीग के लिए 15 ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को मोटी रकम की पेशकश

सिडनी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की इंटरनेशनल लीग (आईएल टी20) ने आस्ट्रेलिया के चोटी के 15 खिलाड़ियों को बिग बैश लीग (बीबीएल) से हटने और उनकी लीग में खेलने के लिए 70,0000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की पेशकश की है, जिससे क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया चिंतित है। इन दोनों लीग का आयोजन एक ही समय में होना है। बिग बैश लीग 13 दिसंबर से चार फरवरी के बीच खेली जाएगी जबकि आईएल टी20 का पहला टूर्नामेंट छह जनवरी से 12 फरवरी के बीच खेला जाना है। इससे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के लिए दोनों लीग में शामिल होना नामुमकिन है। 'सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड' के अनुसार कम से कम 15 ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को बिग बैश लीग से हटने और यूएई की लीग में खेलने के लिए सात लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की पेशकश की गई है। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष खिलाड़ियों के मौजूदा केंद्रीय अनुबंध के अनुसार किसी भी खिलाड़ी को बीबीएल में खेलने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है।

शतरंज ओलिम्पियाड सातवाँ दिन अजरबैजान के ऊपर भारतीय महिला टीम की शानदार जीत

मामल्लापुरम। 44वें शतरंज ओलिम्पियाड में एक दिन के विश्राम के बाद सातवाँ राउंड भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण था और भारतीय टीम नें शानदार खेल दिखाते हुए पदक की दौड़ में एक बेहद अहम पड़ाव पार कर लिया है । भारत की प्रमुख महिला और पुरुष टीम के अलावा पुरुषो की बी टीम नें आज महत्वपूर्ण जीत दर्ज की ।

तनिया और वैशाली नें मुश्किल मैच जिताया

इस ओलंपियाड में भारत के बाद सबसे बेहतरीन खेल दिखा रही अजरबैजान की टीम के खिलाफ भारत पहले बोर्ड पर शीर्ष खिलाड़ी कोनेरु हम्पी की गुनय मममजादा से हार और हरिका द्रोणावल्ली का मुक़ाबला खनिम बालजाएवा से ड्रॉ हो जाने की वजह से 0.5-1.5 से पीछे चल रहा था पर उसके बाद लगभग बराबरी पर चल रही बाजी में पहले तानिया सचदेव नें उलीविया फटलिएवा को और फिर वैशाली आर नें गोवहार बेयदुल्लयेवा को मात देते हुए भारत को 2.5-1.5 से मैच जीता दिया । अब भारत लगातार 7 मैच जीतकर 14 अंक बनाकर पहले स्थान पर बेहद मजबूत है और अपने निकटतम प्रतिद्वंदी उक्रेन से 2 अंको की साफ बढ़त पर है । उक्रेन नें आज

नीदरलैंड को तो जॉर्जिया नें रोमानिया को पराजित कर 12 अंक बना लिए है ।

गुकेश की लगातार सातवीं जीत ,पुरुष टीम बी नें क्यूबा को दी एकतरफा मातः पिछला मुक़ाबला अर्मेनिया के खिलाफ करीबी अंतर से हारने के बाद भारत की बी टीम नें आज शानदार वापसी की ,गुकेश नें पहले बोर्ड पर कार्लोस डेनियल को मात देते हुए प्रतियोगिता में अपनी सातवीं जीत दर्ज की ,जबकि निहाल सरीन ,प्रग्गानंधा नें अपनी बाजी जीती और अधिबन नें ड्रॉ खेलकर टीम को 3.5-0.5 से जिता दिया ।

टीम ए के सामने नहीं टिकी सी टीम

भारत की प्रमुख पुरुष टीम के सामने आज भारत की ही सी टीम थी ओर पहले दो बोर्ड पर पेंटाला हरीकृष्णा से सूर्या शेखर गांगुली और विदित गुजराती से एसपी सेथुरमन की बाजी ड्रॉ रहने के बाद स्कोर 1-1 था पर उसके बाद अर्जुन एरिगासी नें अभिजीत गुप्ता को तो एसएल नारायनन नें अभिमन्यु पौराणिक को मात देते हुए 3-1 से प्रमुख टीम को जीत दिला दी ।

पुरुष वर्ग में यूएसए और अर्मेनिया का मैच 2-2 से बराबर रहने से अर्मेनिया पहले स्थान पर चल रहा है जबकि भारत की प्रमुख और बी टीम यूएसए के साथ सयुंक्त दूसरे स्थान पर चल रही है ।

साक्षी मलिक ने रैसलिंग 62 किग्रा. वर्ग में जीता गोल्ड, गेम्स इतिहास का तीसरा

बर्मिंघम। कॉमनवैल्थ गेम्स 2022 की महिला 62 किलोग्राम वर्ग में भारतीय पहलवान साक्षी मलिक ने कनाडाई एना पाउला को हराकर गोल्ड मेडल जीत लिया। यह साक्षी

का कॉमनवैल्थ गेम्स में तीसरा पदक है। वह इससे पहले 2014 में रजत, 2018 में कांस्य जीत चुकी हैं। लेकिन इस बार उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। हालांकि फाइनल मुकाबला इतना आसान नहीं था। कनाडाई पहलवान पहले राऊंड तक 4-0 से आगे थी लेकिन साक्षी ने दूसरे राऊंड में उन्हें पिन कर गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया।

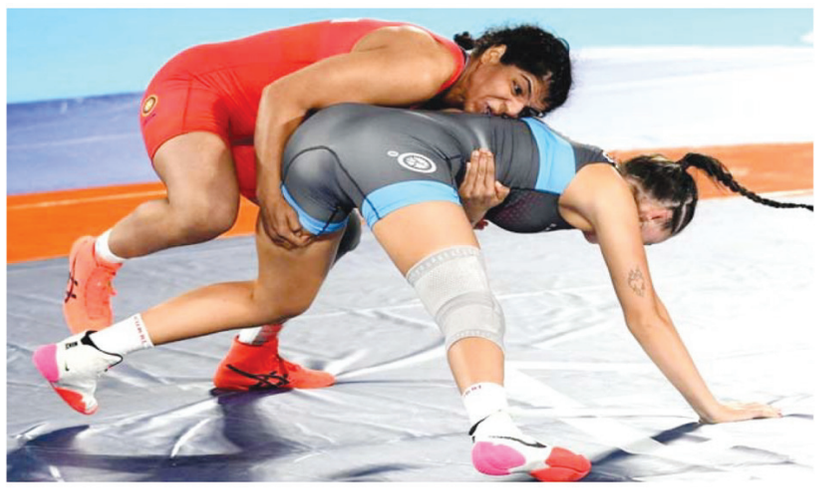

गेम्स में ऐसा रहा साक्षी मलिक का प्रदर्शन- राऊंड 16 (बाई) : भारतीय पहलवान को राऊंड 16 में बाई मिल गई।

क्वार्टरफाइनल (जीत) : साक्षी का इंगलैंड की बर्न्स के खिलाफ मुकाबला हुआ जिसमें वह शुरूआत से ही हावी रही। उन्होंने 10-0 से यह मुकाबला जीता।

सेमीफाइनल (जीत) : कैमरून के फ्रीस्टाइल पहलवान बर्थे एटेन नगोले के खिलाफ साक्षी फिर अटैक में दिखीं। उन्होंने बर्थे एटेन को हावी होने का एक भी मौका नहीं दिया और मैच 10-0 से जीता।

गोल्ड मेडल मुकाबला (जीत) : कनाडाई फ्रीस्टाइल पहलवान एना पाउला गोडिनेज गोंजालेज के खिलाफ साक्षी फाइनल मुकाबले के लिए आमने-सामने थी। एना पहले राऊंड में 4-0 से आगे थी लेकिन साक्षी ने दूसरे राऊंड में एना को पिन कर पूरा मैच पलट दिया और गोल्ड मेडल जीत लिया।

ओलिम्पिक खेल में प्रदर्शन

कांस्य पदक - रियो डी जनेरियो 2016, 58 किग्रा

राष्ट्रमंडल खेल

रजत पदक - ग्लासगो 2014, 58 किग्रा

कांस्य पदक -गोल्ड कोस्ट 2018, 62 किग्रा

स्वर्ण पदक - बर्मिंघम 2022, 62 किग्रा

एशियाई चैम्पियनशिप

कांस्य पदक - दोहा 2015, 60 किग्रा

रजत पदक - नई दिल्ली 2017, 60 किग्रा

कांस्य पदक - बिश्केक 2018, 62 किग्रा

कांस्य पदक -शीआन 2019, 62 किग्रा

राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप

कांस्य पदक - जोहान्सबर्ग 2013, 63 किग्रा

स्वर्ण पदक - जोहान्सबर्ग 2017, 62 किग्रा

विश्व जूनियर चैम्पियनशिप

कांस्य पदक - बुडापेस्ट 2010, 59 किग्रा

एशियाई जूनियर चैम्पियनशिप

रजत पदक - मनीला 2009, 59 किग्रा

स्वर्ण पदक - अल्माटी 2012, 63 किग्रा

पहलवान दीपक पुनिया ने रैसलिंग 86 किग्रा वर्ग में जीता गोल्ड

बर्मिंघम। कॉमनवैल्थ गेम्स 2022 के पुरुष 86 किलोग्राम वर्ग में भारतीय पहलवान दीपक पुनिया ने फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के इनाम को 3-0 से हरा दिया। पाक पहलवान

शुरूआत से ही डिफेंस मोड में दिखे थे। दीपक ने अपने अनुभव का फायदा उठाते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। दीपक का यह कॉमनवैल्थ गेम्स में पहला मेडल है। वह एशियाई चैम्पियनशिप में सिल्वर तो विश्व चैम्पियनशिप में भी सिल्वर जीत चुके हैं।

गेम्स में ऐसा रहा दीपक पुनिया का प्रदर्शन

राऊंड 16 (जीत): 86 किलोग्राम वर्ग में भारतीय पहलवान का राऊंड 16 में मुकाबला न्यूजीलैंड के मैथ्यू ऑक्सेंहम के साथ हुआ जिसे उन्होंने 10-0 से जीता। कीवी पहलवान दीपक के अनुभव के आगे फीके नजर आए।

क्वार्टरफाइनल (जीत): सिएरा लियोन के शेकू कससेगबामा के खिलाफ दीपक का मैच भी एकतरफा रहा। शेकू भी दीपक के आगे टिक नहीं पाए और पहले ही राऊंड में 10-0 से जीत गए।

सेमीफाइनल (जीत): इंगलैंड के एलेक्स मूरे ने सेमीफाइनल मुकाबले में दीपक को बराबर टक्कर दी। दीपक ने अनुभव का फायदा लेते हुए 3-2 से जीत हासिल की। इस दौरान दीपक की डिफेंसिव तक्नीक की खूब तारीफ हुई।

गोल्ड मेडल मुकाबला (जीत): गोल्ड के लिए दीपक पुनिया का मुकाबला पाकिस्तान के इनाम के खिलाफ हुआ। पाक पहलवान शुरूआत से ही डिफेंसिव मोड में दिखे जिसका दीपक ने फायदा उठाया और दो प्वाइंट अर्जित कर लिए।

दिव्या काकरण ने कुश्ती 68 किग्रा वर्ग में जीता ब्रॉन्ज मेडल

बर्मिंघम। कॉमनवैल्थ गेम्स 2022 के महिला कुश्ती 68 किग्रा वर्ग में भारतीय पहलवान दिव्या काकरण ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रही। दिव्या ने टोंगा की टाइगर कॉकर से यह मुकाबला जीतने के लिए 30 सैकेंड लगाए। उन्होंने शुरूआत में ही कॉकर को मैट पर ला दिया।

इसके बाद वह उनके ऊपर आ गई और उन्हें उठने का मौका नहीं दिया। रैफरी ने टेक्नीकल वजहों से दिव्या की जीत में विसल बजा दी।

गेम्स में ऐसा रहा दिव्या का प्रदर्शन

राऊंड 16 (बाई) : भारतीय पहलवान को राऊंड 16 में बाई मिल गई।

क्वार्टरफाइनल (हार) :दिव्या को यहां नाइजीरिया की बलैसिंग ओबोरुडुडु के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। दिव्या को उनका डिफेंस भारी पड़ा।

रेपचेज (जीत) : क्योंकि दिव्या ने पहले राऊंड में बलैसिंग ओबोरुडुडु को हराया था ऐसे में उन्हें रेपचेज में ब्लैंडाइन न्येह नगिरी के खिलाफ मैच खेलना पड़ा। जिसे वह 4-0 से जीत गई।

ब्रॉन्ज मुकाबला (जीत) : ब्रॉन्ज के लिए दिव्या टोंगा की टाइगर-लिली कॉकर-लेमाली के सामने थीं। दिव्या ने शुरूआत से ही पकड़ बनाई और पहले ही मिनट में पिन से ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया।

दिव्या काकरण की उपलब्धियां

राष्ट्रमंडल खेल

कांस्य पदक - बर्मिंघम 2018, 68 किग्रा

कांस्य पदक - गोल्ड कोस्ट 2018, 68 किग्रा

एशियाई खेल

कांस्य पदक - जकार्ता पालेम्बैंग 2018, 68 किग्रा

एशियाई चैम्पियनशिप

स्वर्ण पदक - अल्माटी 2021, 72 किग्रा

स्वर्ण पदक - नई दिल्ली 2020, 68 किग्रा

रजत पदक - नई दिल्ली 2017, 69 किग्रा

कांस्य पदक - शीआन 2019, 68 किग्रा

राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप

स्वर्ण पदक - जोहान्सबर्ग 2017, 69 किग्रा

अंशु मलिक को कुश्ती 57 किलोग्राम वर्ग में मिला सिल्वर मेडल

बर्मिंघम। कॉमनवैल्थ गेम्स 2022 की कुश्ती महिला 57 किलोग्राम वर्ग में भारतीय पहलवान अंशु मलिक का मुकाबला नाइजीरिया की ओडुनायो अदेकुओरोये के साथ हुआ जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा। अंशु शुरूआत में डिफेंस में दिखी जिसका ओडुनायो ने भरपूर फयदा उठाकर लीड ले ली। आखिरी सैकेंड्स में अशु ने कोशिश की और स्कोर 4-6 तक ले आई लेकिन तब तक समय खत्म हो गया और उन्हें सिल्वर के साथ संतोष करना पड़ा। अंशु ने अंत में जज के फैसले को चैलेंज भी किया लेकिन वह जीत नहीं पाई।

अंशु मलिक का कॉमनवैल्थ में प्रदर्शन

राऊंड -16 (बाई): 57 किलोग्राम वर्ग में अंशु मलिक को राऊंड -16 द्गह्यड्ड में बाई मिल गई।

क्वार्टरफाइनल (जीत) : सेमीफाइनल में अंशु का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया की आइरीन सिमोनिडिस के साथ हुआ जिसे वह 10-0 से जीतने में सफल रही। वह पूरी गेम में ऑस्ट्रेलियाई प्रतिद्वंद्वी पर भारी रही।

सेमीफाइनल (जीत) : अंशु का सेमीफाइनल में मुकाबला श्रीलंका की नेथमी पोरुथोटेज के साथ हुआ। भारतीय पहलवान यहां भी पीछे नहीं रही। उन्होंने 10-0 से यह

मुकाबला जीता।

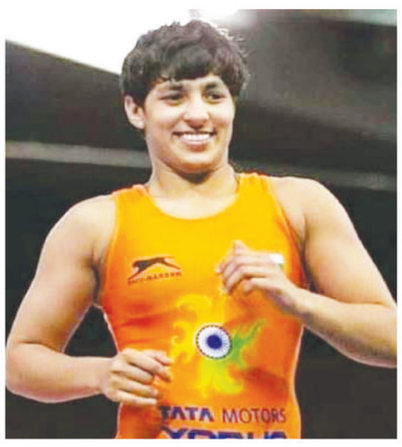

फाइनल (जीत) : नाइजीरिया की ओडुनायो अदेकुओरोये शुरूआत से भारी नजर आती दिखी। उन्होंने तेजी से अंशु को गिराकर दो प्वाइंट हासिल किए जोकि पहला राऊंड खत्म होने तक बरकरार रही। ओडुनायो इसके बाद डिफेंसिव मोड में आ गई। मैच 6-4 पर खत्म हुआ। अंशु को सिल्वर मिला।

अंशु मलिक की उपलब्धियां

विश्व चैम्पियनशिप

रजत पदक - ओस्लो 2021, 57 किग्रा

व्यक्तिगत विश्व कप

रजत पदक - बेलग्रेड 2020, 57 किग्रा

एशियाई चैम्पियनशिप

स्वर्ण पदक - अल्माटी 2021, 57 किग्रा

रजत पदक - उलानबटार 2022, 57 किग्रा

कांस्य पदक - नई दिल्ली 2020, 57 किग्रा

विश्व जूनियर कुश्ती चैम्पियनशिप

रजत पदक - तृणवा 2018, 59 किग्रा

एशियाई जूनियर चैम्पियनशिप

स्वर्ण पदक - चोन बुरी 2019, 59 किग्रा

विश्व कैडेट चैम्पियनशिप

स्वर्ण पदक - एथेंस 2017, 60 किग्रा

कांस्य पदक -जाग्रेब 2018, 60 किग्रा

कांस्य पदक - त्बिलिसी 2016, 60 किग्रा

इनोसेंट कैया-सिकंदर रजा का शतक, 62/3 से 307 रन बना पहला वनडे जीता जिमबाब्वे

ढाका। हरारे की पिच पर जिमबाब्वे ने बांगलादेश के खिलाफ रोमांचक पहला वनडे मुकाबला इनोसेंट कैया और सिकंदर रजा के शतकों की बदौलत जीत लिया। बांगलादेश ने पहले खेलते हुए अपने टॉप 4 बल्लेबाजों के अर्धशतकों की बदौलत निर्धारित 50 ओवरों में 303 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी जिमबाब्वे की टीम ने जब 62 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे तब इनोसेंट कैया और सिकंदर रजा अपनी टीम के लिए तारनहार बने और शतक लगाकर अपनी टीम की राह आसान कर दी। जिमबाब्वे की इस धमाकेदार जीत में सिकंदर रजा का प्रदर्शन सराहनीय रहा। अंत के ओवरों में वह बेहद आक्रमक नजर आए। उन्होंने 109 गेंदों में 8 चौके और 6 छक्कों की मदद से 135 रन बनाए तो वहीं, इनोसेंट कैया ने 122 गेंदों में 11 चौके और 2

छक्कों की मदद से 110 रन बनाए। अपने प्रदर्शन के लिएमैन ऑफ द मैचच बने रजा ने कहा कि सभी सीनियर खिलाड़ी युवाओं के लिए एक उदाहरण बनने और संस्कृति का निर्माण करने की कोशिश कर रहे हैं। इस खेल के बाद भी यह जारी रहेगा।

मैच गंवाने के बाद बांगलादेश के कप्तान तमीम इकबाल ने कहा- मुझे नहीं लगता था कि हमने पर्याप्त स्कोर पर थे। हमें 15-20 रन चाहिए थे। हम पहले 10-15 ओवर में टेस्ट मैच की तरह बल्लेबाजी करते रहे जोकि नहीं होना चाहिए था। हम नियमित रूप से कैच छोड़ते रहे हैं और एक दिन इसकी कीमत हमें चुकानी पड़ी। मुझे लगता है कि लिटन दास चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए हैं। मैच की बात करें तो जिमबाब्वे ने पहले बल्लेबाजी की थी। ओपनिंग पर कप्तान तमिम इकबाल के साथ लिटन दास बल्लेबाजी के लिए आए थे। दोनों ने पहले विकेट के लिए 119 रन जोड़े। इसके बाद लिटन चोट लगने के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गए। लिटन ने 89 गेंदों में 81 रन बनाए। विकेटकीपर बल्लेबाज अनामुल ने 62 गेंदों में 73 तो मुशफिकुर रहीम ने 49 गेंदों में 52 रन बनाकर टीम का स्कोर 303 रन तक पहुंचाया।

जवाब में खेलने उतरी जिमबाब्वे की शुरूआत खराब रही थी। ओपनर रेजिस चकाब्वा 2 तो मसकांदजा 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। 62 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद इनोसेंट कैया और सिकंदर रजा ने शतक लगाकर टीम का स्कोर लक्ष्य के करीब ला खड़ा किया। जिमबाब्वे ने 49वें ओवर में 307 रन बनाकर मैच जीत लिया। रजा ने मोसद्देक हुसैन की गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई।

'वो भविष्य का नंबर 1 टी-20 गेंदबाज है, उसे टीम में डालो चेतन'

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जैसे टॉप 4 बल्लेबाजों को लेकर घमासान मचा हुआ है ठीक ऐसे ही गेंदबाजों को लेकर भी असमंजस जारी है। सभी गेंदबाज इस समय अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखा रहे हैं। आईपीएल से निकले युवा भी कुछ मैच खेलकर ही टी-20 विश्व कप टीम के दावेदार बनते दिख रहे हैं। इसी बीच भारत के पूर्व कप्तान और पूर्व मुख्य चयनकर्ता कृष्णमाचारी श्रीकांत ने मौजूदा मुख्य चयनकर्ता चेतन शर्मा से टी 20 विश्व कप के लिए अर्शदीप सिंह को चुनने का आग्रह किया था। श्रीकांत ने अर्शदीप सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा कि उसने आईपीएल 2022 के दौरान डेथ ओवरों में अपनी इच्छा से यॉर्कर फेंकने की क्षमता और आइस-कूल दृष्टिकोण से सबको प्रभावित किया है। अर्शदीप ने अब तक 4 मैचों में केवल 6.51 की इकोनमी से 6 विकेट लिए हैं जोकि काफी अच्छा प्रदर्शन है। विंडीज के खिलाफ सीरीज के दौरान श्रीकांत ने कहा कि यह युवा खिलाड़ी भविष्य में टी-20 चार्ट का नेतृत्व करता हुआ नजर आएगा। उन्होंने चेतन शर्मा से टी20 विश्व कप टीम में अर्शदीप को चुनने का आग्रह किया। कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा कि वह (अर्शदीप) भविष्य में टी-20 अंतरराष्ट्रीय में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी होंगे। वह अभी आएंगे। अर्शदीप सिंह! इसे नोट कर लें। वह टी20 विश्व कप टीम में होंगे। चलो चेतू, कृपया उसका नाम भी ले लो।

हालांकि अर्शदीप के लिए यह आसान नहीं होगा। टीम में पहले से भुवनेश्वर कुमार और जसप्रीत बुमराह जैसे स्थापित गेंदबाज हैं। टीम में तीसरे गेंदबाज के लिए जगह बनाने के लिए अर्शदीप को हर्षल पटेल, अवेश खान, दीपक चाहर और मोहम्मद शमी से कड़ा मुकाबला मिलेगा।

अमेरिकी स्पीकर पेलोसी के ताइवान दौरे पर भड़का उत्तर कोरिया, बताया- 'वैश्विक शांति की विनाशक'

प्योंगयांग। अमेरिकी संसद की स्पीकर नैंसी पेलोसी की एशिया यात्रा ने कई देशों को भड़का दिया है। उनके ताइवान दौरे से चीन पहले से ही भड़का हुआ है। उसने सैन्य कार्रवाई तक की चेतावनी दे डाली है। अब नैंसी पेलोसी पर उत्तर कोरिया ने भी तीखा बयान जारी किया

है। उत्तर कोरिया ने अपने बयान में कहा है कि नैंसी पेलोसी वैश्विक शांति और स्थिरता की सबसे बड़ी विनाशक हैं। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता योंग सैम ने इसको लेकर अमेरिका को चेतावनी भी दी है। दरअसल, पेलोसी ने ताइवान यात्रा के बाद दक्षिणी कोरिया का भी दौरा किया था। योंग सैम ने कहा है कि नैंसी पेलोसी जहां भी गईं और जो भी परेशानियां उत्पन्न कीं, उन सबके लिए अमेरिका को परिणाम भुगतने होंगे।

परमाणु कार्यक्रम पर की थी चर्चा

पेलोसी पर उत्तर कोरिया की नाराजगी की बड़ी वजह उनका दक्षिण कोरिया का दौरा भी है। दरअसल, दक्षिण कोरिया की यात्रा के दौरान पेलोसी ने उत्तर कोरिया से लगते हुए सीमावर्ती क्षेत्र का दौरा भी किया था। इसके अलावा दक्षिण कोरियाई नेशनल असेंबली के अध्यक्ष किम जिन प्यो के साथ उत्तर के परमाणु कार्यक्रम पर भी चर्चा की थी।

व्हाइट हाउस के बाहर गिरी आकाशीय बिजली, तीन लोगों की दर्दनाक मौत, कई घायल

प्योंगयांग। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास व्हाइट हाउस के पास आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। यह घटना उस समय घटी जब एक दंपती अपने परिवार के साथ व्हाइट हाउस के पास स्थित एक

पार्क लाफायेट स्क्वायर में शादी की सालगिरह मनाने आया था।

अस्पताल में तीन ने तोड़ा दम

डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया फायर एंड इमरजेंसी मेडिकल सर्विसेज डिपार्टमेंट के अनुसार व्हाइट हाउस परिसर के बाहर स्थित लाफायेट पार्क में बिजली गिरने के बाद कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इन सभी को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती करवाया गया लेकिन इनमें से तीन ने दो दिन बाद दम तोड़ दिया। पार्क का एक हिस्सा गुरुवार को शाम को एक घंटे से अधिक समय तक बंद रहा और आपातकालीन दल घटनास्थल पर मौजूद रहा।

व्हाइट हाउस के एक प्रवक्ता ने कहा कि बाइडेन प्रशासन जान गंवाने वाले लोगों के लिए गहरी संवेदना प्रकट करता है। वहीं प्रेस सचिव काराइन जीन-पियरे ने बयान में कहा कि हम उन लोगों के लिए प्रार्थना कर रहे हैं जो अभी भी अपने जीवन के लिए लड़ रहे हैं।

अमेरिका में गर्भपात पर रोक लगाने की मंजूरी देने वाला पहला राज्य बना इंडियाना

लॉस एंजलिस: अमेरिका में रो बनाम वेड मामले पर फैसला पलटे जाने के बाद इंडियाना गर्भपात पर रोक को मंजूरी देने वाला पहला राज्य बन गया है। अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने रो बनाम वेड मामले के फैसले को पलटते हुए गर्भपात के संवैधानिक अधिकार को खत्म कर दिया था। इसके बाद इंडियाना के रिपब्लिकन गवर्नर एरिक होलकॉम्ब ने सांसदों द्वारा मंजूरी दिए जाने के बाद गर्भपात पर पूरी तरह रोक लगाने के आदेश पर हस्ताक्षर किए। यह प्रतिबंध 15 सितंबर से लागू होगा और इसमें कुछ अपवाद भी शामिल हैं। दुष्कर्म और व्यभिचार के मामलों तथा मां की जान बचाने के लिए गर्भपात की अनुमति होगी। साथ ही अगर किसी भ्रूण में कोई जानलेवा बीमारी पायी जाती है, तो भी गर्भपात की अनुमति दी जाएगी।

ताइवानी मिसाइल डेवलपमेंट ऑफिसर की मौत:चीन-ताइवान तनाव के बीच होटल में मिली लाश, बिजनेस ट्रिप के दौरान आया हार्ट अटैक

बीजिंग/ताइपे। चीन-ताइवान तनाव के बीच ताइवान डिफेंस मिनिस्ट्री के रिसर्च एंड डेवलपमेंट यूनिट के एक ऑफिसर की डेड बॉडी मिली है। सेंट्रल न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, ताइवान डिफेंस मिनिस्ट्री के नेशनल चुंग-शान इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के डिप्टी हेड ओ यांग ली-हिंग शनिवार सुबह पिंगटुंग शहर के एक होटल के कमरे में मृत पाए गए।

अधिकारियों ने कहा- 57 साल के ओ यांग की मौत हार्ट अटैक आने से हुई है। उनके परिवार ने भी बताया कि उन्हें हार्ट से संबंधित बीमारियां थीं। CNA ने कहा कि ओ यांग बिजनेस के सिलसिले में पिंगटुंग शहर गए हुए थे। वे कई मिसाइल प्रोडक्शन प्रोजेक्ट्स को सुपरवाइज कर रहे थे। साल की शुरुआत में ही उन्होंने डिप्टी हेड का पद संभाला था। उनकी मौत ऐसे समय हुई है, जब चीन लगातार ताइवान के पास मिलिट्री ड्रिल कर रहा है।

ताइवान के एयरस्पेस में घुस रहे चीनी जेट्स

अमेरिकी संसद की स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान विजिट से नाराज चीन 3 अगस्त से मिलिट्री ड्रिल कर रहा है। चीनी आर्मी के जेट्स लगातार ताइवानी

एयरस्पेस में घुसपैठ कर रहे हैं। ताइवान के इर्दगिर्द 6 इलाकों में ये सैन्य अभ्यास चल रहा है। पहले दिन चीन के 100 से अधिक फाइटर जेट्स ने ताइवान के उत्तरी, दक्षिण-पश्चिमी और दक्षिण-पूर्वी एयरस्पेस में उड़ान भरी थी। वहीं, दूसरे दिन 68 फाइटर जेट्स और 13 वॉरशिप्स ने ताइवान स्ट्रेट (मीडियन लाइन) को पार किया।

ताइवानी डिफेंस मिनिस्ट्री ने एहतियात के तौर पर मिसाइल सिस्टम तैनात कर दिया है। वो चीन की हरकत पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। मॉनिटरिंग के लिए कुछ एयरक्राफ्ट और शिप को रवाना भी किया गया है।

7 अगस्त तक चलेगी ड्रिल-चीन यह मिलिट्री ड्रिल ताइवानी तट से सिर्फ 16 किमी दूर कर रहा है। इसमें असली हथियारों और गोला-बारूद का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस मिलिट्री एक्सरसाइज को 'लाइव फायरिंग' नाम दिया गया है। यह एक्सरसाइज 7 अगस्त तक चलेगी। चीन पहले यह ड्रिल ताइवान से करीब 100 किमी दूर करता था, लेकिन नैंसी के दौरे के बाद अब बेहद नजदीक पहुंच गया है।

चीन ने पेलोसी पर प्रतिबंध लगाए

चीन ने नैंसी पेलोसी पर प्रतिबंध लगाए हैं। हालांकि, चीन ने किस तरह के प्रतिबंध लगाए हैं, ये स्पष्ट नहीं हैं। पेलोसी की ताइवान यात्रा के जवाब में चीन ने 8 कार्रवाइयों का ऐलान किया है।

फिलिस्तीन पर इजराइली एयरस्ट्राइक:मारा गया हमास कमांडर तायसीर जबारी; इजराइल पर भी 2 घंटे में 100 रॉकेट दागे गए

तेल अवीव/गाजा सिटी। इजराइल और फिलिस्तीन के बीच संघर्ष जारी है। इजराइल ने गाजा पट्टी में हवाई हमले किए। इसमें फिलिस्तीन संगठन हमास (इजराइल इसे आतंकी संगठन बताता है) का सीनियर कमांडर तायसीर अल जबारी मारा गया। हमास ने कहा कि हमले में गाजा के 10 अन्य लोग मारे गए, जबकि 70 से ज्यादा घायल हो गए।

धमकी मिलने के बाद इजराइल का एक्शन

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिलिस्तीन संगठन वेस्ट बैंक नेता बहा अबू अल-अता की गिरफ्तारी और उसकी मौत के जवाब में इजराइल पर हमले की धमकी दे रहा था। अल-अता को इजराइली सेना ने 2019 में मार दिया था। धमकियों के बाद इजराइल ने एयरस्ट्राइक की।

हमले में मारी गई 5 साल की मासूम

गाजा पट्टी पर हुए इजराइली हमले के बाद फिलिस्तीन संगठन हमास ने भी गाजा पट्टी से इजराइल की तरफ 2 घंटे में 100 रॉकेट दागे। इनमें से 9 गाजा पट्टी के अंदर गिरे। फिलिस्तीन संगठन हमास ने कहा- हमले में 5 साल की बच्ची समेत 10 लोगों की मौत हुई। इधर, इजराइली डिफेंस फोर्स (ढ्ढष्ठस्र) का कहना है कि एयरस्ट्राइक में कम से कम 15 हमास आतंकी मारे गए हैं।

इजराइल और फिलिस्तीन के बीच विवाद क्यों?

मिडिल ईस्ट के इस इलाके में

यह संघर्ष कम से कम 100 साल से चला आ रहा है। यहां वेस्ट बैंक, गाजा पट्टी और गोलन हाइट्स जैसे इलाकों पर विवाद है। फिलिस्तीन इन इलाकों समेत पूर्वी यरुशलम पर दावा जताता है। वहीं, इजराइल यरुशलम से अपना दावा छोड़ने को राजी नहीं है।

गाजा पट्टी इजराइल और मिस्र के बीच में है। यहां फिलहाल हमास का कब्जा है। ये इजराइल विरोधी समूह है। सितंबर 2005 में इजराइल ने गाजा पट्टी से अपनी सेना वापस बुला ली थी। 2007 में इजराइल ने इस इलाके पर कई प्रतिबंध लगा दिए। फिलिस्तीन का कहना है कि वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी में स्वतंत्र फिलिस्तीन राष्ट्र की स्थापना हो।

आखिर ये संघर्ष कितना पुराना है?

ये संघर्ष कम से कम 100 साल पहले से चला आ रहा है। फिलहाल जहां इजराइल है, वहां कभी तुर्की का शासन था जिसे ओटोमान साम्राज्य कहा जाता था। 1914 में पहला विश्व युद्ध शुरू हुआ। तुर्की ने इस विश्व युद्ध में मित्र राष्ट्रों के खिलाफ वाले देशों का साथ दिया। मित्र राष्ट्रों में ब्रिटेन भी शामिल था। लिहाजा तुर्की और ब्रिटेन आमने-सामने आ गए। उस समय ब्रिटिश साम्राज्य अपने चरम पर था जिसका नतीजा ये हुआ कि ब्रिटेन ने युद्ध जीता और ओटोमान साम्राज्य ब्रिटेन के कब्जे में आ गया। इस समय तक जियोनिज्म की भावना चरम पर थी। ये एक राजनीतिक विचारधारा थी जिसका उद्देश्य एक अलग और स्वतंत्र यहूदी राज्य की स्थापना करना था। इसी के चलते दुनियाभर से यहूदी फिलिस्तीन में आने लगे। 1917 में ब्रिटेन के विदेश सचिव जेम्स बेलफोर ने एक घोषणा की जिसमें कहा गया कि ब्रिटेन फिलिस्तीन को यहूदियों की मातृभूमि बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। साल 1945 में द्वितीय विश्व युद्ध खत्म हुआ। इस युद्ध में ब्रिटेन को काफी नुकसान हुआ और अब वो पहले जैसी शक्ति नहीं रहा। इधर यहूदी फिलिस्तीन में आते रहे और दूसरे देशों ने ब्रिटेन के ऊपर यहूदियों के पुनर्वास के लिए दबाव डालना शुरू कर दिया। आखिरकार ब्रिटेन ने खुद को इस मामले से अलग कर लिया और ये मसला यूनाइटेड नेशन के पास चला गया, जो कि 1945 में ही बना था। 29 नवंबर 1947 को यूनाइटेड नेशन ने फिलिस्तीन को दो हिस्सों में बांट दिया। एक अरब राज्य और दूसरा हिस्सा बना इजराइल। यरुशलम को यूनाइटेड नेशन ने अंतरराष्ट्रीय सरकार के कब्जे में रखा।

'हमारे द्वीप जैसे मॉडल बनाकर हमले की तैयारी कर रहा चीन', ताइवानी रक्षा मंत्रालय का बड़ा खुलासा

ताइपे। ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि चीन हमारे द्वीप जैसे मॉडल बनाकर हमले की तैयारी कर रहा है। ताइवान ने कहा कि चीन हमारी धरती पर हमले के लिए साजिश रच रहा है। समाचार एजेंसी एएफपी ने इसकी जानकारी दी है। हालांकि, थोड़ी देर पहले भी ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा था कि कई चीनी विमानों और जहाजों को ताइवान जलडमरूमध्य की मध्य रेखा को

पार करते हुए देखा गया था। बता दें कि अमेरिकी संसद की स्पीकर नैंसी पेलोसी के आने के बाद से ही चीन ताइवान को धमकी दे रहा है। इतना ही नहीं लाइव फायर ड्रिल कर डराने की कोशिश कर रहा है। हालांकि अमेरिका ड्रैगन की हर गतिविधि पर नजर रख रहा है।

भी चीन ने किया था युद्ध अभ्यास

बता दें कि इससे पहले चीन ने भी युद्ध अभ्यास किया था। चीन ने इस दौरान 68 एयरक्राफ्ट, 13 जहाज ताइवान के सीमा के पास समुद्र के चारों तरफ उड़ाए। वहीं चीन की इस तानाशाही से ताइवान भी भड़क गया और जलसंधि के उल्लंघन का आरोप लगा दिया। इसके अलावा चीनी ईस्टर्न थिएटर कमांड ने मिसाइलों के नए संस्करणों की लांचिंग करते हुए ताइवान स्ट्रेट में अज्ञात लक्ष्यों पर सटीक निशाना साधने का दावा किया । इनमें ताइवान पर प्रशांत क्षेत्र में दागे गए प्रोजेक्टाइल शामिल थे। चीनी सैन्याभ्यास के दूसरे दिन चीनी लड़ाकू विमान ताइवान के वायुक्षेत्र में भी घुसे, जिनमें 20 जंगी विमान और 10 युद्धपोतों ने ताइवानी स्ट्रेट की मीडियन लाइन को पार कर लिया।

नैंसी पेलोसी ने कहा, ताइवान को अलग-थलग नहीं कर पाएगा चीन

अमेरिकी अधिकारियों को वहां की यात्रा करने से रोककर चीन ताइवान को अलग-थलग नहीं कर पाएगा, यूएस हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी ने शुक्रवार को टोक्यो में यह बात कही। पेलोसी ने कहा कि बीजिंग ने ताइवान को अलग-थलग करने की कोशिश की है, जिसमें स्वशासी द्वीप को विश्व स्वास्थ्य संगठन में शामिल होने से रोकना भी शामिल है। चीन ताइवान को अन्य स्थानों पर जाने या भाग लेने से रोकने की कोशिश कर सकता है, लेकिन वे हमें वहां की यात्रा करने से रोककर ताइवान को अलग-थलग नहीं कर सकते। पेलोसी ने अपनी यात्रा का बचाव करते हुए यह बात कही, जिससे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है।

अफ्रीकी लोगों की उम्र बढ़ी, जीवन प्रत्याशा में हुआ 10 साल का इजाफा

वाशिंगटन। विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से जीवन प्रत्याशा को लेकर एक रिपोर्ट जारी की गई है। इसमें कहा गया है कि सन् 2000 से 2019 की अवधि में अफ्रीकी क्षेत्र की औसत जीवन प्रत्याशा में प्रति व्यक्ति 10 वर्ष का इजाफा हुआ है। यह बढ़ोत्तरी दुनिया के किसी अन्य क्षेत्र की तुलना में कहीं ज्यादा है।

डब्ल्यूएचओ ने अपनी रिपोर्ट, 'ट्रैकिंग यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज इन द डब्ल्यूएचओ अफ्रीकी क्षेत्र 2020'1 जारी की है। इसमें कहा गया है कि अफ्रीकी क्षेत्र में सन् 2000 में जीवन प्रत्याशा 46 वर्ष थी, जो 2019 में बढ़कर 56 वर्ष पहुंच गई। हालांकि, अफ्रीका में जीवन प्रत्याशा अभी भी वैश्विक औसत 64 से काफी नीचे हैं। वहीं दूसरी ओर रिपोर्ट में

कहा गया है कि 2000 से 2019 की अवधि में वैश्विक जीवन प्रत्याशा में औसत पांच वर्षों की वृद्धि हुई है। अफ्रीका में इस बढ़ी हुई जीवन प्रत्याशा के कारणों में आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रावधान में सुधार, प्रजनन, मातृ, नवजात और बाल स्वास्थ्य में वृद्धि, साथ ही संक्रामक रोगों के खिलाफ लड़ाई शामिल थी। विशेष रूप से, 2005 से एचआईवी, तपेदिक और मलेरिया नियंत्रण उपायों में तेजी से वृद्धि ने स्वस्थ जीवन प्रत्याशा को बढ़ाने में मदद की। हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने यह भी आगाह किया कि इस अवधि के अंत में कोरोना महामारी के आगमन से जीवन प्रत्याशा पर विघटनकारी प्रभाव पड़ सकता है। रिपोर्ट में मुताबिक, अफ्रीकी महाद्वीप पर आवश्यक स्वास्थ्य सेवा कवरेज में सुधार होकर 2019 में 46 प्रतिशत हो गया, यह 2000 में 24 प्रतिशत ही था।

अमेरिकी परेड में घुसी एसयूवी, कई घायल

वाशिंगटन। अमेरिका के न्यू मेक्सिको में एक भीड़ वाले परेड में एसयूवी के घुसने से कई लोग घायल हो गए। घायलों में गैलप के दो पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं। परेड देखने आए लोगों द्वारा लिए गए वीडियो में बड़े भूरे रंग के वाहन को परेड की दिशा के विपरीत दिशा में तेज रफ्तार से बढ़ते हुए देखा गया। ऐसा लगता है कि पारंपरिक नृत्य करने वाले बच्चों ने सबसे पहले इसे अपनी ओर आते हुए देखा।

काबुल में बम विस्फोट में 8 की मौत, आईएसआईएस ने ली जिम्मेदारी

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के शिया बहुल पीडी 6 के सरकारी रिहायशी इलाके में शुक्रवार रात जबरदस्त बम विस्फोट में आठ लोगों की मौत हो गई और 18 लोग घायल हो गए हैं।

काबुल पुलिस के प्रवक्ता खालिद जादरान ने कहा कि विस्फोटक एक गाड़ी में रखे थे। मौके पर मौजूद लोगों का कहना है कि हताहतों की संख्या काफी अधिक है। इस धमाके की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली है। स्थानीय प्रशासन के अनुसार धमाके के बाद पूरे इलाके की तलाशी अभियान चलाया जा रहा है

। घायलों को अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया है। अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के साथ ही इस्लामिक स्टेट अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है।

अमेरिका के चेयरमैन ऑफ द यूएस ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ जनरल मार्क मिले ने भी चेतावनी देते हुए कहा था कि इस्लामिक स्टेट और दूसरे कई आतंकवादी समूह अफगानिस्तान में फिर से संगठित होने की कोशिश कर रहे हैं। यह आतंकी संगठन अफगानिस्तान में उगने वाले नशीले पदार्थों की तस्करी से अपने समूह के लिए फंड भी जुटा सकता है। तालिबान ने इस बात से इनकार किया कि अफगानिस्तान में आईएसआईए अपनी जड़ें जमा रहा है। उनके दावे के बावजूद आईएसआईएस ने पिछले एक साल में अफगानिस्तान में हुए कई आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली है।

श्रीलंका ने चीनी जासूसी जहाज के देश में घुसने पर लगाई रोक

कोलंबो। श्रीलंकाई सरकार ने चीनी सरकार से कहा है कि वह हंबनटोटा बंदरगाह पर अपने अंतरिक्ष-उपग्रह ट्रैकर जहाज युआन वांग 5 की यात्रा को तब तक के लिए टाल दे, जब तक कि दोनों सरकारों के बीच कोई और सलाह-मशविरा न हो जाए। बता दें कि चीन के इस जासूसी जहाज को 11 अगस्त को श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर ईंधन भरने और 17 अगस्त को छोड़ने के लिए निर्धारित किया गया था।

युआन वांग 5 एक जासूसी जहाज

जासूसी जहाज के रूप में नामित, युआन वांग 5 को साल 2007 में बनाया गया था और इसकी क्षमता 11,000 टन है। सर्वेक्षण पोत 13 जुलाई को चीन के जियानगिन से रवाना हुआ और वर्तमान में ताइवान के करीब

स्थित है। मरीन ट्रैफिक वेबसाइट के मुताबिक, यह जहाज फिलहाल दक्षिण जापान और ताइवान के उत्तर पूर्व के बीच पूर्वी चीन सागर में है।

भारत ने जताई थी नाराजगी

श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर चीन के विशाल पोत के आने की सूचना को लेकर हाल ही में भारत ने अपनी कड़ी आपत्ति जताई थी। भारत के विदेश मंत्रालय ने इसको लेकर साफ शब्दों में कहा था कि वह उसकी सुरक्षा और आर्थिक हितों पर असर डालने वाले किसी भी घटनाक्रम पर करीब से निगाह रखता है। इसके बाद आर्थिक संकट से जूझ रहा श्रीलंका को अपने देश की माली हालत की चिंता सताने लगी। दरअसल, श्रीलंका को भी पता है कि मुश्किल की घड़ी में भारत ने ही उसका साथ दिया था। चीन से मदद के नाम पर कुछ नहीं मिला। ऐसे में कहा जा सकता है कि श्रीलंका भारत की नाराजगी के आगे झुकने को मजबूर हो गया।

हंबनटोटा बंदरगाह सामरिक दृष्टि से अहम

चीनी पोत युआन वांग 5 ईंधन भरवाने के लिए 11-17 अगस्त तक श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर आने की उम्मीद थी और इसकी अगस्त और सितंबर के दौरान हिंद महासागर के उत्तर पश्चिमी हिस्से में उपग्रह नियंत्रण और अनुसंधान ट्रैकिंग करने की योजना थी।

इस बंदरगाह को सामरिक दृष्टि से अहम माना जाता है और यह राजपक्षे परिवार के गृहनगर में स्थित है तथा इसे मुख्यतः चीन के कर्ज से विकसित किया गया है।

नवनियुक्त प्रधानमंत्री गुणवर्धने ने पत्रकारों से कहा कि दोनों देश हमारे करीबी मित्र हैं। हम मित्रता के दृष्टिकोण से मुद्दे का समाधान करने की कोशिश करेंगे।

यूक्रेन के बंदरगाह से तीन और जहाज अनाज लेकर रवाना

इस्तांबुल। संयुक्त राष्ट्र समझौते के तहत यूक्रेन के बंदरगाह से हजारों टन मक्का शुक्रवार को तीन और जहाज लेकर रवाना हुए। रूस द्वारा यूक्रेन पर लगभग छह महीने पहले आक्रमण के बाद से अनाज के निर्यात के लिए मध्यस्थता सौदा धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा है। अनाज की जिन देशों को इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है, उन्हें खाद्यान्न प्राप्त करने में बड़ी बाधाएं हैं। आयरलैंड, ब्रिटेन और तुर्की के लिए रवाना जहाज ने युद्ध की शुरूआत के बाद से पहली बार काला सागर को पार किया। तुर्की और संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता में रूस और यूक्रेन के बीच सौदे के तहत पहला जहाज इस सप्ताह की शुरूआत में अनाज लेकर लेबनान के लिए रवाना हुआ था। काला सागर क्षेत्र को दुनिया का ब्रेडबास्केट कहा जाता है, क्योंकि इस क्षेत्र में यूक्रेन और रूस गेहूं, मक्का, जौ और सूरजमुखी तेल के प्रमुख वैश्विक आपूर्तिकर्ता हैं, जो अफ्रीका, मध्य पूर्व और एशिया के कुछ हिस्सों में लाखों गरीब लोगों का भरण-पोषण करते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि अनाज के निर्यात ने वैश्विक खाद्य संकट को कम करने की उम्मीद जगाई है, लेकिन यूक्रेन जो अनाज निर्यात करने की कोशिश कर रहा है, उसका इस्तेमाल जानवरों के चारे के लिए किया जाता है, न कि लोगों के खाने के लिए।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।